राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात, संस्करण मंगलवार,14 जुलाई2020 वर्ष–3, अंक –168 पृष्ठ–04 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ब्राह्मणों पर किए ट्वीट के लिए जितिन प्रसाद ने मायावती का जताया आभार

लखनऊ।

विकास दुबे के एनकाउंटर के बाद यूपी की जातीय सियासत गरमा गई है। मौजूदा सरकार पर ब्राह्मणों के उत्पीड़न का आरोप लग रहा है। जिसके चलते कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी योगी सरकार को निशाने पर ले रहीं हैं। इसी कड़ी में कांग्रेस के पूर्व केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने मायावती के एक ट्वीट का आभार जताया है। जितिन प्रसाद ने लिखा कि मायावती जी आपने हमारे समाज के बारे में जो अपनी बात रखी है, उसके लिए मैं अपने समाज की ओर से आपका आभार व्यक्त करता हूं। इससे पहले जितिन प्रसाद ने ट्वीटर पर ब्राह्मणों के उत्पीड़न को लेकर एक वीडियो भी जारी की। दरअसल, मायावती ने विकास दुबे एनकाउंटर को लेकर सरकार पर भेदभाव का आरोप लगाया। मायावती ने ट्वीट कर लिखा कि बीएसपी का मानना है कि किसी गलत व्यक्ति के अपराध की सजा के तौर पर उसके पूरे समाज को प्रताड़ित व कटघरे में नहीं खड़ा करना चाहिए। इसीलिए कानपुर पुलिस हत्याकाण्ड के दुर्दान्त विकास दुबे व उसके गुर्गों के जुर्म को लेकर उसके समाज में भय व आतंक की जो चर्चा गर्म है उसे दूर करना चाहिए। मायावती ने आगे लिखा साथ ही, यूपी सरकार अब खासकर विकास दुबे-काण्ड की आड़ में राजनीति नहीं बल्कि इस सम्बंध में जनविश्वास की बहाली हेतु मजबूत तथ्यों के आधार पर ही कार्रवाई करे तो बेहतर है। सरकार ऐसा कोई काम नहीं करे जिससे अब ब्राह्मण समाज भी यहाँ अपने आपको भयभीत, आतंकित व असुरक्षित महसूस करे।

कोरोना वैक्सीन पर रूस ने मारी बाजी, सेचेनोव विश्वविद्यालय का दावा सभी परीक्षण रहे सफल

इंटरनेशनल डेस्क। कोरोना वायरस की वैक्सीन बनाने में भारत समेत दुनियाभर के वैज्ञानिक जुटे हुए हैं। ऐसे में रूस ने इस मामले में बाजी मार ली है। यहां के सेचेनोव यूनिवर्सिटी ने दावा किया है कि उसने कोरोना वैक्सीन तैयार कर लिया है। उसका कहना है कि वैक्सीन के सभी परीक्षण हो चुके हैं और वो सफल रहे हैं। हालांकि अभी विश्वस्तर पर वैक्सीन के बन जाने की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन यह माना जा रहा है कि अगर सेचेनोव यूनिवर्सिटी का दावा सही हुआ तो यह दुनिया की पहली कोरोना वैक्सीन होगी। इंस्टीट्यूट फॉर ट्रांसलेशनल मेडिसिन एंड बायोटेक्नोलॉजी के निदेशक वदिम तरासोव के मुताबिक, सेचेनोव विश्वविद्यालय ने 18 जून से वैक्सीन का परीक्षण शुरू किया था। इसका निर्माण रूस के गेमली इंस्टीट्यूट ऑफ एपिडेमियोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी ने किया है। वदिम तरासोव ने भी वैक्सीन के तैयार हो जाने की पुष्टि की है। सेचनोव यूनिवर्सिटी में इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल पैरासिटोलॉजी, ट्रॉपिकल एंड वेक्टर-बॉर्न डिजीज के निदेशक अलेक्जेंडर लुकाशेव ने बताया कि सुरक्षा के लिहाज से वैक्सीन के सभी पहलुओं की जांच कर ली गई है। अब यह वैक्सीन कब तक लोगों तक पहुंचेगी, यह तो नहीं पता, लेकिन अलेक्जेंडर लुकाशेव ने कहा कि यह जल्द ही बाजार में उपलब्ध हो जाएगी।

इस हफ्ते से मंगल ग्रह पर जाने के लिए कई देशों के स्पेस प्रोग्राम भरेंगे उड़ान

इंटरनेशन डेस्क।

मंगल पर जल्द ही पृथ्वी ग्रह से कई अंतरिक्ष विमान उतरने जा रहे हैं। तीन देश- अमेरिका, चीन और संयुक्त अरब अमीरात इस हफ्ते से शुरू हो रहे सिलसिले में मानवरहित अंतरिक्षयानों को लाल ग्रह पर भेजना शुरू करेंगे। अब तक के सबसे व्यापक प्रयास में सूक्ष्मजीवों के जीवन के निशान तलाशने और भविष्य के अंतरिक्ष यात्रियों के लिए संभावनाओं की तलाश की जाएगी। अमेरिका अपनी तरफ से, कार के आकार का छह पहियों वाला रोवर भेजने वाला है जिसका नाम 'पर्सवीरन्स है जो ग्रह से पत्थर के नमूने धरती पर लाएगा जिनका कि अगले एक दशक में विश्लेषण किया जाएगा। नासा प्रशासक जिम ब्रिडेन्स्टाइन ने कहा, अब यह नाम पहले से कहीं ज्यादा महत्त्वपूर्ण है। कोरोना वायरस प्रकोप के बीच इस यान को भेजे जाने की तैयारियां जारी हैं हालांकि इसके प्रक्षेपण को इस बार बहुत लोग नहीं देख सकेंगे। प्रत्येक अंतरिक्षयान को अगले फरवरी में मंगल तक पहुंचने से पहले 48.30 करोड़ किलोमीटर से ज्यादा की दूरी तय करनी होगी। एक अंतरिक्षयान को धरती की कक्षा के पार और सूर्य के इर्द गिर्द मंगल की सबसे दूर कक्षा तक पहुंचने के लिए छह से सात माह का समय लगता है। वैज्ञानिक यह जानना चाहते हैं कि अरबों वर्ष पहले मंगल ग्रह कैसा था जब वहां नदियां, झरने और महासागर हुआ करते थे जिनमें सूक्ष्म जीव रहते थे। यह ग्रह अब बंजर, मरुस्थल के रूप में तब्दील हो गया है। मंगल ग्रह पर पहुंचना वैज्ञानिकों की सबसे खूबसूरत कल्पनाओं में शुमार रहा है लेकिन कई मिशन वहां पहुंचने से पहले नाकाम हो चुके हैं और 50 प्रतिशत से ज्यादा मिशन विफल रहे हैं। केवल अमेरिका मंगल तक अपना अंतरिक्षयान सफलतापूर्व पहुंचा पाया है।

ऐप्स बैन से परेशान चीन ने उठाया मुद्दा, भारत की दो टूक-सुरक्षा कारणों से लिया फैसला

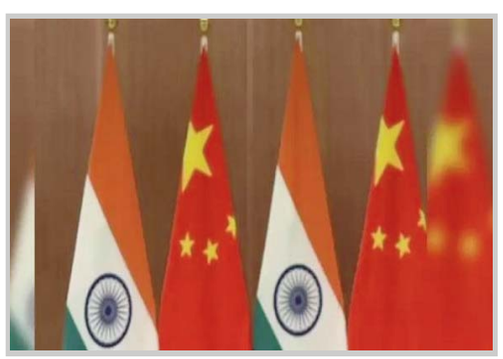

नई दिल्ली। देश में टिकटॉक समेत 59 चाइनीज ऐप्स पर प्रतिबंध लगाने के फैसले से परेशान चीन ने भारत के समक्ष बैठक में इस मुद्दे को उठाया है। जानकारी के मुताबिक, ÷हाल ही में हुई द्विपक्षीय बैठक में चीन ने अपनी बात रखी। हालांकि भारत ने दो टूक कह दिया कि सुरक्षा कारणों से यह फैसला लिया गया है। सरकार के सूत्रों के मुताबिक, राजनायिक स्तर की वार्ता के दौरान चीन की ओर से यह मुद्दा उठाया गया। भारत की ओर से स्पष्ट शब्दों में कहा गया कि यह फैसला सुरक्षा कारणों से लिया गया है और हम अपने नागरिकों के संवेदनशील डाटा से समझौता नहीं कर सकते। हाल ही में केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाते हुए टिकटॉक, हैलो और वीचैट समेत 59 चाइनीज एप्स पर प्रतिबंध लगा दिया था। 29 जून को जारी आदेश में केंद्र सरकार ने इन एप्स पर यूजर्स की जानकारी चोरी करने को लेकर चिंता जताई थी। प्रतिबंध के बाद चीन की ओर से बयान जारी किया गया था कि भारत का यह फर्ज बनता है कि वह अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के कानूनी अधिकार की रक्षा करे। केंद्र सरकार ने यह फैसला ऐसे समय लिया था, जब चीन के साथ सीमा विवाद का तनाव चरम पर पहुंचा हुआ था। जब चीन के साथ सीमा विवाद का तनाव चरम पर पहुंचा हुआ था। जब चीन के साथ सीमा विवाद का तनाव चरम पर पहुंचा हुआ था। लद्दाख की गलवां घाटी में हुई हिंसक झड़प में हमारे 20 जवान शहीद हो गए थे जबकि उनके भी कई सैनिक मारे गए थे। भारत की ओर से बनाए गए राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय दबाव के चलते चीन को झुकना पड़ा और उसे गलवां घाटी से अपने टेंट हटाने पड़े।

संक्षिप्त समाचार

भारत-चीन के बीच आज कोर कमांडर स्तरीय वार्ता, सेना के पीछे हटने के दूसरे चरण पर होगी चर्चा

नई दिल्ली। सीमा विवाद के मुद्दे पर भारत-चीन के बीच कमांडर स्तर की वार्ता मंगलवार को एक बार फिर पूर्वी लद्दाख में चुशूल में होगी। भारतीय सेना के सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, दोनों देशों के बीच वास्तविक नियंत्रम रेखा के पास तनाव कम करने और सेना के पीछे हटने के दूसरे चरण को लेकर बात होगी। आगामी 16-17 जुलाई को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह लेह में हाई सिक्योरिटी रिव्यू मीटिंग कर सकते हैं। कश्मीर के हालात पर चर्चा करने के लिए वो श्रीनगर में भी कोर कमांडर लेवल मीटिंग लेंगे। जानकारी के मुताबिक इस समय 30 जून को हुई कोर कमांडर लेवल मीटिंग के हिसाब से तीन फ़ेज जो तय किए गए थे उसमें से एक फ़ेज पूरा हो गया है। अभी भी जो दोनों तरफ़ से सहमति बनी है वो पेंगोंग सो मैं बरनि है उसके साथ साथ दूसरे और तीसरे चरण के लिए सेनाओं के साथ इन्फैंट्री कॉम्बैट व्हीकल मिसाइल रेडार आर्टिलरी गन बुल्डोजर और सैनिकों की तादाद को भी पीछे करना है और इसके लिए निर्णायक बातचीत आने वाले दो दिनों में हो सकती है। इस समय डिप्लोमेटिक बातचीत के साथ साथ मिलिट्री लेवल बातचीत भी बेहद जरूरी है और इसीलिए इस बार फिर से चुशुल बातचीत होगी। वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह एक बार फिर से और साथ में के हालात पर पूरी नजर बनाने के लिए हाई लेवल सिक्योरिटी मीटिंग लेह और श्रीनगर में करेंगे। जानकारी के मुताबिक 16 तारीख को राजनाथ सिंह 14वीं कोर में होंगे। यहां पर कोर कमांडर लेवल में हुई मीटिंग और साथ में अभी के हालात पर पूरी मैप और लाइव बफरिंग के द्वारा उनको बताया और दिखाया जाएगा। इस समय सभी की प्राथमिकता अप्रैल 2020 के स्टेटस को को चीन से मनवाने की है इसीलिए ये राजनाथ सिंह की विजिट बहुत ही अहम भी मानी जा रही है।

लोगों में कोरोना का डर दूर करने के लिए खुद ट्रैक्टर चलाकर शव को श्मशान ले गया सरकारी डॉक्टर

हैदराबाद। तेलंगाना के पेड्डापल्ली जिले में कोरोना वायरस के मरीज की मौत के बाद उसका अंतिम संस्कार करने को लेकर स्वास्थ्य कर्मचारियों में उपजे भय को दूर करने के लिए एक चिकित्सक स्वयं ही ट्रैक्टर चलाकर शव को श्मशान घाट तक लेकर गया। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि रविवार को एक सरकारी अस्पताल में कोविड-19 मरीज की मौत हो गई। जिले के इस अस्पताल में संक्रमण से मौत का यह पहला मामला था और शव को ले जाने के लिए तत्काल एम्बुलेंस उपलब्ध नहीं हो सकी। इसके बाद ट्रक्टर की व्यवस्था की गयी। एक अधिकारी ने बताया कि नगर निगम चालक और अन्य चालक कोरोना की वजह से मरे व्यक्ति के शव को श्मशान गृह तक ले जाने से डर रहे थे। इस डर को दूर करने के लिए स्वास्थ्य विभाग के जिला निगरानी अधिकारी डॉक्टर श्रीराम ने पीपीई पहनकर खुद ही ट्रक्टर चलाया और श्रीराम ने बताया कि मृतक के परिजन को भी पीपीई पहनाया गया। उन्होंने पीटीआई-भाषा को बताया, च्च् बचाव वाले सभी कदम उठाए गए। सभी चीजें हमने नियम के अनुसार की। नगर निगम के चालक के लिए यह नए तरह का मामला था।

राजस्थान में गहलोत / पायलट

गहलोत के पास बहुमत है तो साबित करें, विधायकों को होटल क्यों भेज रहे हैं? पायलट भाजपा में शामिल नहीं होंग : पाटी

जयपुर।

अशोक गहलोत सरकार से खफा राजस्थान के डिप्टी सीएम सचिन पायलट भाजपा में शामिल नहीं हो रहे हैं। यह पुष्टि उनके करीबियों ने की है। लेकिन, करीबियों ने यह भी दावा किया है कि गहलोत सरकार अल्पमत में है। उन्होंने कहा कि अगर गहलोत के पास बहुमत है तो वो विधानसभा में इसे साबित करें, अपने विधायकों को होटल में क्यों भेज रहे हैं। दरअसल, राजस्थान के सीएम गहलोत के आवास पर सोमवार को विधायकों की बैठक हुई। फोटो भी सामने आई, जिसमें मुख्यमंत्री और विधायक विक्ट्री साइन दिखा रहे थे। लेकिन, 107 में से 18 विधायक गायब रहे, जो पायलट खेमे के थे। पर, गहलोत सरकार ने दावा किया कि बैठक में 102 विधायक पहुंचे थे। बहुमत के लिए 101 विधायक जरूरी हैं। सूत्रों के मुताबिक, जो विधायक बैठक में शामिल नहीं हुए, उनमें राकेश पारीक, मुरारी लाल मीणा, जीआर खटाना, इंद्राज गुर्जर, गजेंद्र सिंह शक्तावत, हरीश मीणा, दीपेंद्र सिंह शेखावत, भंवर लाल शर्मा, इंदिरा मीणा, विजेंद्र ओला, हेमाराम चौधरी, पीआर मीणा, रमेश मीणा, विश्वेंद्र सिंह, रामनिवास गावड़िया, मुकेश भाकर और सुरेश मोदी हैं। रविवार देर रात पार्टी ने व्हिप जारी किया था। इसके मुताबिक, यदि कोई विधायक बिना किसी विशेष कारण के गैरहाजिर रहेगा तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। रविवार शाम डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने दावा किया था कि 30 कांग्रेस विधायक उनके समर्थन में हैं और राज्य की गहलोत सरकार अल्पमत में है। इसके साथ पायलट ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मनमुटाव को भी स्पष्ट कर दिया। कहा कि वे विधायक दल की बैठक में शामिल नहीं होंगे। हालांकि, राजस्थान कांग्रेस के इंचार्ज अविनाश पांडे ने दावा किया कि हमारे पास 109 विधायकों के समर्थन पत्र हैं। गहलोत सरकार बहुमत में है। रणदीप सुरजेवाला ने कांग्रेस विधायक दल की बैठक में सभी से शामिल होने की अपील की। कहा कि किसी तरह का कोई मनमुटाव है तो पार्टी अध्यक्ष और आलाकमान से बात कर सकते हैं। सचिन पायलट प्रदेश में पार्टी प्रभारी अविनाश पांडे के सामने अपनी बात रख सकते हैं। पायलट जयपुर आने का समय भी बता सकते हैं। बैठक में उनका इंतजार रहेगा। सूत्रों के मुताबिक, सचिन पायलट आज नई पार्टी की घोषणा कर सकते हैं। कांग्रेस के एक तिहाई विधायकों के शामिल होने का दावा किया जा रहा है। इस तरह प्रदेश में तीसरे मोर्चे का गठन हो सकता है। 'प्रगतिशील कांग्रेस' के नाम से तीसरा मोर्चा खड़ा करने की संभावना है। सोमवार को ही सीएम गहलोत के करीबी दो कांग्रेस नेताओं धर्मेंद्र राठौड़ और राजीव अरोड़ा के जयपुर, कोटा, दिल्ली और मुंबई स्थित ठिकानों पर आयकर विभाग ने छापा मारा। राजस्थान में कांग्रेस के प्रभारी अविनाश पांडे ने कहा- पायलट से बात करने की कोशिश की, मैसेज भी किया, लेकिन उन्होंने जवाब नहीं दिया। वे पार्टी से ऊपर नहीं हैं। छत्तीसगढ़ के कांग्रेस प्रभारी पीएल पुनिया ने न्यूज एजेंसी से कहा कि सचिन पायलट अब भाजपा में हैं। बाद में ट्वीट किया कि मुझसे सिंधिया को

लेकर सवाल किया गया था। सिंधिया की जगह पायलट का नाम निकल गया। गलती से ऐसा हो गया। दरअसल, पायलट विधायकों की खरीद-फरोख्त मामले की जांच कर रही एसओजी का नोटिस मिलने के बाद से नाराज हैं। उन्हें कांग्रेस और कुछ निर्दलीय विधायकों का समर्थन है। इस बीच, सीएम गहलोत ने रविवार रात 9 बजे विधायकों के साथ बैठक की। इसके बाद गहलोत समर्थक विधायक ने दावा किया कि हमारे जितने विधायक जाएंगे, उससे ज्यादा विधायक हम भाजपा से ले आएंगे। दिल्ली गए कांग्रेसी विधायक दानिश अबरार, चेतन डूडी और रोहित बोहरा ने जयपुर लौटकर कहा कि वे निजी क से दिल्ली गए थे। अगर मीडिया कहता है हम इस वजह से वहां गए, या उस व से वहां गए.. तो ये हमारी समस्या नहीं हम किसी भी विवाद का हिस्सा नहीं ब चाहते हैं। हम कांग्रेस के सिपाही हैं आखिरी सांस तक कांग्रेस के साथ र मुख्यमंत्री गहलोत ने रविवार रात सर के सभी मंत्रियों और विधायकों सरकारी आवास पर खाने पर बुल कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावा कहा कि सरकार के पास पूर्ण बहुमत करीब 115 विधायक इस रात्रि भोज शामिल हुए।

राहुल गांधी ने साधा मोदी पर निशाना, भारतीय मीडिया पर फासीवाद ताकतों का कब्जा

नई दिल्ली।

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर निशाना साधा है। इसके अलावा उन्होंने भारतीय मीडिया को भी घेरा है। राहुल गांधी ने कहा कि आज एक भारतीय मीडिया का बड़ा हिस्सा फांसीवादी ताकतों के कब्जे में है, जो अलग ही कहानी को प्रस्तुत करते हैं, वो चाहे टेलीविजन हो या फिर सोशल मीडिया। राहुल गांधी ने एक ट्वीट में कहा कि आज भारतीय समाचार माध्यमों के एक बड़े हिस्से पर फासीवादी ताकतों ने कब्जा कर लिया है। टेलीविजन चैनलों, व्हाट्सएप फॉरवर्ड और झूठी खबरों द्वारा एक नफरत भरी कहानी फैलाई जा रही है। झूठ का यह आख्यान भारत को अलग-थलग कर रहा है । एक अन्य ट्वीट में राहुल गांधी ने कहा कि मैं अपने वर्तमान मामलों, इतिहास और संकट को सत्य में रुचि रखने वालों के लिए स्पष्ट और सुलभ बनाना चाहता हूं। कल मैं आपके साथ वीडियो पर अपने विचार साझा करूंगा।

विधूड़ी का केजरीवाल से सवाल, कहां गईं सेनेटाइजेशन के लिए मंगवाई हाई-टेक जापानी मशीनें

नेशनल डेस्क। दिल्ली विधानसभा में विपक्ष के नेता रामवीर सिंह बिधूड़ी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से पूछा कि कोरोना वायरस के मद्देनजर समूची राजधानी में सेनेटाइजेशन के लिए विशेष तौर पर जापान से मंगाई गईं हाई-टेक मशीनें आज कहां हैं। केजरीवाल को सोमवार लिखे पत्र में बिधूड़ी ने कहा कि 13 अप्रैल आपने यह जानकारी दी थी कि दिल्ली में महामारी पर काबू पाने के लिए जापान की 10 हाई-टेक मशीनों की मदद से सेनेटाइजेशन का जोरदार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विभिन्न मीडिया चैनलों और अखबारों में भी इन मशीनों की बड़ी-बड़ी तस्वीरें दिखाई और प्रकाशित की गई थीं, लेकिन आश्चर्य की बात यह है कि आज तीन महीने बीत जाने के बावजूद ये मशीनें कहीं दिखाई नहीं दे रही हैं जबकि राजधानी में आज निषिद्ध जोन की संख्या बढ़कर 652 तक पहुंच गई है। बिधूड़ी ने कहा कि यदि जापान से मंगाई गई इन मशीनों का दिल्ली में कहीं भी सेनेटाइजेशन के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है तो निश्चित रूप से यह प्रशंसा की बात है किंतु यदि केवल प्रचार पाने के लिए इन मशीनों की तस्वीरों का इस्तेमाल किया गया तो यह बहुत ही आपत्तिजनक है।निश्चित रूप से यह प्रशंसा की बात है किंतु यदि केवल प्रचार पाने के लिए इन मशीनों की तस्वीरों का इस्तेमाल किया गया तो यह बहुत ही आपत्तिजनक है। निश्चित रूप से यह प्रशंसा की बात है किंतु यदि केवल प्रचार पाने के लिए इन मशीनों की तस्वीरों का इस्तेमाल किया गया तो यह बहुत ही आपत्तिजनक है। विपक्ष के नेता ने कहा कि आज दिल्ली कोरोना महामारी से त्रस्त है। निषिद्ध जोन लगातार बढ़ रहे हैं। ऐसे में यदि ये मशीनें वाकई उपलब्ध हैं तो दिल्ली के हर क्षेत्र में सेनेटाइजेशन चाहिए अथवा यदि ये मशीनें उपलब्ध नहीं हैं तो केजरीवाल को बताना चाहिए कि उन्होंने जिन मशीनों के बारे में जानकारी दी थी, वे कहां हैं।

सुरक्षा स्थिति का जायजा लेने सीमा चैकियों पर पहुंचे थल सेना प्रमुख

जम्मू । थलसेना प्रमुख जनरल एम नरवणे ने सोमवार को अंतराष्ट्रीय सीमा (आई के पास अग्रिम इलाकों का दौरा किया और ज पठानकोट क्षेत्र में तैनात सैनिकों की तैयारियों सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। यह जानकारी रक्षा प्रवक्ता ने दी। उन्होंने सुरक्षा स्थिति की स के लिए कठुआ, सांबा, जम्मू और पठानकोट स राइजिंग स्टार कोर की कमान में आने वाले का दौरा किया। प्रवक्ता ने बताया कि पश्चिमी क के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफि जनरल आरपी सिंह, राइजिंग स्टार कोर के जीस लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी, जीओसी टा डिवीजन मेजर जनरल वीबी नायर और एयर स्टेशन जम्मू के एयर ऑफिसर कमांडिंग (एओ एयर कमोडोर एएस पठानिया ने थलसेना प्रमुख अगवानी की। लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेद परिचालन संबंधी तैयारियों, सुरक्षा बुनियादी ढांच उन्नयन और आंतरिक सुरक्षा मामलों के संबंध जनरल नरवणे को जानकारी दी। प्रवक्ता ने कि थलसेना प्रमुख ने जीओसी टाइगर डिवीजन साथ अग्रिम क्षेत्रों में परिचालन तैयारियों की स की। उन्होंने इस दौरान विभिन्न अधिकारियों जवानों के साथ बातचीत की। थलसेना प्रमुख संघर्ष विराम का पाकिस्तान द्वारा उल्लंघन आतंकवादियों द्वारा घुसपैठ के प्रयासों को व बर्दाश्त नहीं करने की नीति पर जोर दिया। उ जोर दिया कि सेनाओं और सरकार की दुश्मनों द्वारा छेड़े जा रहे छद्म युद्ध के नापाक म को नाकाम करने के लिए।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

विज्ञान में आत्मनिर्भरता

देश का विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आत्मनिर्भर होना जितना जरूरी है, लगभग उतनी ही जरूरी है, इससे संबंधित संसदीय समिति की बैठक। इस बैठक में 30 सदस्यों की मौजूदगी की बजाय महज छह सदस्यों की उपस्थिति कुछ निराश करती है, लेकिन तब भी ऐसे स्पष्ट संकेत हैं, जो इशारा करते हैं कि बैठक में चिंतन की दिशा कारगर रही है। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश की अध्यक्षता वाली इस समिति की बैठक का आयोजन पहले ही होना था, लेकिन 23 मार्च के बाद न तो संसद बैठी है और न संसदीय समितियों को बैठक का मौका मिला है। अत- लगभग साढ़े तीन महीने बाद संसदीय समिति की बैठक और उसमें कोरोना की चर्चा स्वागतयोग्य है। समिति की बैठक में अगर चीन पर भारत की निर्भरता को लेकर चिंता जताई गई है, तो कोई आश्चर्य नहीं। ऐसा पहली बार हो रहा है, इस विषय पर देश, सांसद व अधिकारी चिंतित हैं। यह सोचना यथोचित है कि किन मामलों में हमें जल्दी से जल्दी आत्मनिर्भर हो जाना चाहिए। पिछले दिनों यह बात कई बार उठी ही है कि दवा उद्योग कच्चे माल के लिए बहुत हद तक चीन पर निर्भर है। क्या हम कच्चे माल को भारत में ही तैयार नहीं कर सकते? पिछले साल संसद में एक लिखित जवाब में सरकार ने बताया था कि 2016 से 2019 के बीच भारत के 65 प्रतिशत से अधिक थोक दवाओं और दवा की कच्ची सामग्रियों का आयात चीन से हुआ। 15 जून को गलवान घाटी में जो हुआ है, उसने हमें चेता दिया है कि निर्भरता उसी देश पर सही है, जिस पर हम पूरा विश्वास कर सकते हैं। हमें सोचना होगा, विज्ञान व तकनीकी के मामलों में कोई देश हमें निर्भर बनाकर लाचार तो नहीं कर रहा। संसदीय समिति में यह प्रश्न अगर ईमानदारी से उठा है, तो यह आत्मनिर्भर होने की दिशा में एक शुरुआत है। विकसित होते किसी भी देश के पास जरूरत के हर सामान होने ही चाहिए। विशेष रूप से भारत जैसे जैव विविधता संपन्न देश में आत्मनिर्भरता असंभव नहीं है। घरेलू फार्मा उद्योग को सशक्त बनाने के लिए हरसंभव प्रयास सरकार को करने चाहिए। यह एक ऐसा क्षेत्र है, जिससे पूरी दुनिया को उम्मीद है, क्योंकि भारत सस्ती जेनेरिक दवाओं के उत्पादन में महारत रखता है। संसदीय समिति की तीन घंटे से अधिक समय तक चली बैठक में देश के शीर्ष वैज्ञानिक भी शामिल थे। इसमें वेंटिलेटर सहित कम लागत वाले तमाम स्वास्थ्य उपकरण बनाने की जरूरत पर भी चर्चा हुई है। चर्चा हुई कि क्या वेंटिलेटर भी 25,000 से 30,000 रुपये की कीमत पर बनाया जा सकता है? विज्ञान और प्रौद्योगिकी मामलों की ऐसी उच्च स्तरीय बैठकें अगर लगातार होती रहें, तो एक-एक कर तमाम कमियां सामने आएंगी और उनको दूर करने के उपायों पर भी चर्चा हो सकेगी। समिति की बैठक में विगत तीन महीनों में अर्जित कामयाबियों को भी सामने रखा गया। एक और खास संकेत उभरा है कि कोरोना की दवा आने में वक्त लगेगा। 15 अगस्त की जो तारीख बताई गई थी, वह संभवत- उत्साहवर्द्धन के लिए थी। सचमुच, देश को ऐसी बैठकों की जरूरत है। साथ ही, ऐसी बैठकों में ज्यादा से ज्यादा सांसदों की भागीदारी सुनिश्चित होनी चाहिए। इसके लिए संसदीय नियमों में परिवर्तन कर ऑनलाइन बैठकों को बढ़ावा देना समय की मांग है।

आज के ट्वीट

पायलट

पायलट उड़ते जहाज में से पैराशूट लेकर कूद गया है और विमान का मालिक कह रहा है चिंता की कोई बात नहीं है जाहज़ को कुछ नहीं होगा क्यूँकि इसमें अभी भी 90 यात्री हैं। -- अर्णव गोस्वामी

बुजुर्गों के लिए बेरहम वक्त की टीस

आर. कुमार

कोविड-19 महामारी के दौरान वरिष्ठ नागरिकों को विकट स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। उन्हें न केवल कोरोना वायरस से संक्रमित होने और इसका परिणाम जानलेवा बनने का खतरा ज्यादा है बल्कि पहले से अनेक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं, मसलन हृदय रोग, मधुमेह या मोटापा इत्यादि से ग्रस्त होने की वजह से वे समाज के उस वर्ग में आते हैं, जिनके ऊपर महामारी की वजह से बंद हुए सरकारी या निजी अस्पतालों का सबसे ज्यादा प्रभाव पड़ा है। मौजूदा स्थिति के चलते 90 फीसदी अंतः एवं बाह्य रोगी अस्पताल सेवाएं बंद पड़ी हैं। कोई इस बात को नहीं नकार सकता कि बुजुर्गों को गैर-कोविड संक्रमण और गैर-छूत रोगों से भी उतना ही खतरा है, जितना कि कोरोना वायरस से। अनुमान के मुताबिक केवल कोरोना काल में ही लगभग 63 लाख लोगों में तपेदिक रोग पनप सकता है और इनमें लगभग 10 लाख इस बीमारी की भेंट चढ़ जाएंगे। पहले से ही हृदय, फेफड़ों, गुर्दा, दिमाग, लीवर, कैंसर या मनोरोग इत्यादि बीमारियों से ग्रस्त बड़ी उम्र के लोगों के ज्यादातर मामलों में इलाज में छह महीने का अंतराल बनने से हालत और अधिक गंभीर बन जाएगी। आखिर मुख्य अस्पताल पहले बंद क्यों किए गए? गैर कोविड-19 मरीजों के लिए अस्पताल वाले अभी भी बाह्य रोग विभाग खोलने को तैयार नहीं हैं। मीडिया में यह बहस छिड़ी हुई है कि क्या लॉकडाउन ने करोड़ों लोगों को घातक कोविड-19 से संक्रमित होने से बचाया है या फिर इसको लागू करने को अपनाए गए निर्मम उपाय किसी तबके विशेष को कानूनी एवं मानवाधिकारों को नियंत्रित करने की गर्ज से थे। जहां इस सवाल का उत्तर इंतजार कर सकता है, वहीं यह तथ्य कायम रहेगा कि न केवल कोरोना काल में बल्कि हर उस समय में जब तक बुढ़ापा संबंधी स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं का स्तर ऊपर नहीं उठता तो सबसे ज्यादा परेशानी, तंगी और बेपरवाही, खासकर स्वास्थ्य संबंधी, बुजुर्गों को ही झेलनी पड़ेगी। बड़ी उम्र के लगभग 70 फीसदी नागरिकों को पहले से ही स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं होती हैं जो महामारी के दौरान और गंभीर बन जाएंगी, और कोरोना काल में से सबसे ज्यादा तकलीफ इसी वर्ग को झेलनी पड़ी है। शारीरिक व्याधियों के अलावा बुजुर्गों की भावनात्मक एवं मानसिक समस्याएं जैसे कि व्यग्रता, अवसाद, उनींदापन, नींद न आना, संत्रास, गुस्सैलपन, नाउम्मीदी, आलस्य और आत्मघाती प्रवृत्ति बनना इत्यादि मानसिक स्थितियां बनने की संभावना रहती है। 'ऐज-वैल' फाउंडेशन द्वारा करवाए अध्ययन के मुताबिक लगभग 65 प्रतिशत बुजुर्गों को शिकायत है कि लॉकडाउन की वजह से उनकी आजादी, स्वाभिमान और यहां तक कि गरिमा पर गहरा असर हुआ है क्योंकि उन्हें मूल आवश्यकताओं के लिए भी दूसरों पर निर्भर रहना पड़ा है। हालांकि, काफी लंबी चली राष्ट्रीय तालाबंदी लगभग खत्म हो चुकी है, इसके बावजूद 65 साल से ज्यादा उम्र वालों के लिए प्रतिबंध अभी भी कायम हैं और उन्हें बाहर निकलने की मनाही है। इसलिए स्वास्थ्य संबंधी या सुबह की सैर जैसी आम क्रियाओं में राहत मिलने की उम्मीद फिलहाल दिखाई नहीं दे रही है। मुंह पर मास्क का प्रयोग अनिवार्य बनाना बेशक सुरक्षा के लिहाज से जरूरी है, लेकिन जिनको पहले से ही श्वास संबंधी समस्या है, उन वरिष्ठ नागरिकों के लिए इस निर्देश ने और तंगी खड़ी कर दी है। चूंकि बुजुर्गों को घर की चारदीवारी तक सीमित होकर रहना पड़ रहा है, ऐसे में अधिकतर टेलीविजन, कंप्यूटर या मोबाइल फोन इत्यादि उपकरणों से चिपके रहते हैं। लिहाजा लंबे समय तक इनके प्रयोग से दृष्टि में धुंधलापन, आंखों में खुजली-जलन या तीखा सिरदर्द होने लगता है। आमतौर पर इसे कंप्यूटर सिंड्रोम कहा जाता है। कसरत, पौष्टिकता, यथेष्ट जलग्रहण और धूप-सेवन का अभाव और लंबे समय तक एक मुद्रा में बैठे अथवा लेटे रहने की वजह से उन्हें शरीर में कई जगह दर्द और ऐंठन का सामना करना पड़ता है। बुढ़ापा, क्षीण हुई जीवनशक्ति, अपनों की उपेक्षा के चलते यूं भी आमतौर पर बुजुर्ग अपने ही घर में हाशिए पर होते हैं। ज्यादातर समाज बुढ़ापे को बीत चुके काल की तरह लेता है और नजरिया बहुत दफा बड़ी उम्र वालों से दुर्व्यवहार का बायस बनता है। मीडिया में रात-दिन चल रही खबरें कि कोविड-19 से बुजुर्ग सबसे ज्यादा मर रहे हैं या अन्यों को संदूषित कर रहे हैं, यह भद्र तरीका नहीं है। इसमें ताड़ना और कलंक की बदबू आती है। बड़ी उम्र में सांस लेने में कठिनाई, श्वास तंत्र में रुकावट पैदा करने वाले फेफड़े संबंधी रोग या आम जुकाम तक का अक्सर जिद्दी खांसी, गले में दर्द और फ्लू जैसे लक्षणों में तबदील होना आम बात है। यदि इसे कोविड-19 समझने की गलती करते हुए उन्हें एकांतवास में रखने या अपने हाल पर छोड़ देने से मानसिक संत्रास बनेगा, यह आगे इनसान की रोग प्रतिरोधक शक्ति का ह्रास करता है, लिहाजा इससे संक्रमण पकड़ने की गुंजाइश बढ़ जाएगी। यदि किसी बुजुर्ग की जीवनशैली सही नहीं है तो रोजमर्रा की क्रिया पर लग गया अतिरिक्त प्रतिबंध, कुपोषण और घटी रोग प्रतिरोधक शक्ति के कारण उनमें और अधिक कमजोरी पैदा हो जाएगी। आंख की रोशनी अथवा श्रवण शक्ति कमजोर पड़ने से उन्हें दूसरों के साथ संवाद बनाने में मुश्किल होने लगती है। ऊपर से याददाश्त, विचार और व्यक्त करने की शक्ति में ह्रास होने से उनमें स्वास्थ्य और सुरक्षा संबंधी सभी निर्देशों को पूरी तरह याद रखने और पालन करने में असमर्थता पैदा हो जाती है। गलत जानकारी की बाढ़ में हो सकता है बुजुर्गों को संक्रमण के बारे में सही जानकारी न हो। एक ही समय में अनेकानेक दवाइयों के इस्तेमाल की जरूरत, सही खुराक और समय याद रखना उनको चकरा देते हैं। मनोवस्था-सामाजिक असुरक्षा से उनके अंदर एकाकीपन, व्यग्रता और अनिश्चितता की भावना भर जाती है, जिससे आगे अवसाद संबंधी मुश्किलें, नींद न आना और गहरा अवसाद पैदा हो जाता है। अकेला पड़ने या प्रियजनों से दूर होने पर पैदा हुई उदासी और छिन जाने की भावना बहुत गहरी और दीर्घकालीन असर अंदाज बन जाती है। सरकारी एजेंसियां, गैर-सरकारी संगठन, परिवार और देखभालकर्मी मिलकर बुजुर्गों को सामाजिक, भावनात्मक, मेडिकल और खुशमिजाजी का संबल दे सकते हैं। उनकी रोजाना की जरूरतें और आवश्यकताओं का समुचित समन्वयन करने की जरूरत है। बड़े लोगों में हाथ-श्वास स्वच्छता और शारीरिक चुस्ती बनाए रखने की जागरूकता बनाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने की जरूरत है। अस्पताल उनके लिए आखिरी विकल्प होना चाहिए। विशेष सर्जरी जैसे कि मोतियाबिंद, हर्निया या घुटने बदलना आदि को फिलहाल आगे टालना श्रेयस्कर होगा। डिजिटल स्क्रीन का इस्तेमाल रोजाना दो घंटे से कम रखा जाए। किसी स्पष्टीकरण के लिए मेडिकल परामर्श सबसे बेहतर विकल्प है। घर में संकट की स्थिति बनने पर बुजुर्गों को निर्णय प्रक्रिया लेने में शामिल किया जाना चाहिए। उनके अधिकार, स्वाभिमान और गरिमा को हर कीमत पर अक्षुण्ण किसी भी कीमत पर बनाए रखना होगा।

लेखक नैतिक एवं वहन योग्य स्वास्थ्य देखभाल समिति के अध्यक्ष हैं।

ज्ञान गंगा

जिंदगी का सफर

श्रीराम शर्मा आचार्य/ एक प्रोफेसर अपनी क्लास में कहानी सुना रहे थे, जो कि इस प्रकार है; एक बार समुद्र के बीच में एक बड़े जहाज पर बड़ी दुर्घटना हो गई। कप्तान ने शिप खाली करने का आदेश दिया। जहाज पर एक युवा दंपति थे। जब लाइफबोट पर चढ़ने का उनका नम्बर आया तो देखा गया नाव पर केवल एक व्यक्ति के लिए ही जगह है। इस मौके पर आदमी ने औरत को धक्का दिया और नाव पर कूद गया। डूबते हुए जहाज पर खड़ी औरत ने जाते हुए अपने पति से चिल्लाकर एक वाक्य कहा। अब प्रोफेसर ने रु ककर स्टूडेंट्स से पूछा, तुम लोगों को क्या लगता है, उस स्त्री ने अपने पति से क्या कहा होगा? ज्यादातर विद्यार्थी फौरन चिल्लाये, स्त्री ने कहा मैं तुमसे नफरत करती हूं! प्रोफेसर ने देखा एक स्टूडेंट एकदम शांत बैठा हुआ था, प्रोफेसर ने उससे पूछा कि तुम बताओ तुम्हें क्या लगता है? वो लड़का बोला मुझे लगता है, औरत ने कहा होगा हमारे बच्चे का ख्याल रखना! प्रोफेसर को आश्चर्य हुआ, उन्होंने लड़के से पूछा, क्या तुमने यह कहानी पहले सुन रखी थी? लड़का बोला-जी नहीं, लेकिन यही बात बीमारी से मरती हुई मेरी मां ने मेरे पिता से कही थी। प्रोफेसर ने दुखपूर्वक कहा तुम्हारा उत्तर सही है! प्रोफेसर ने कहानी आगे बढ़ाई। जहाज डूब गया, महिला मर गई, पति किनारे पहुंचा और उसने बाकी जीवन अपनी एकमात्र पुत्री के समुचित लालन-पालन में लगा दिया। कई सालों बाद जब वो व्यक्ति मर गया तो एक दिन सफाई करते हुए उसकी लड़की को अपने पिता की एक डायरी मिली। डायरी से उसे पता चला कि जिस समय उसके माता-पिता उस जहाज पर सफर कर रहे थे तो उसकी मां एक जानलेवा बीमारी से ग्रस्त थी और उनके जीवन के कुछ दिन ही शेष थे। ऐसे कठिन मौके पर उसके पिता ने एक कड़ा निर्णय लिया और लाइफबोट पर कूद गया। उसके पिता ने डायरी में लिखा था तुम्हारे बिना मेरे जीवन को कोई मतलब नहीं, मैं तो तुम्हारे साथ ही समंदर में समा जाना चाहता था। लेकिन संतान का ख्याल आने पर मुझे तुमको अकेले छोड़कर जाना पड़ा। जब प्रोफेसर ने कहानी समाप्त की तो, पूरी क्लास में शांति थी। इस संसार में कइयों सही-गलत बातें हैं। लेकिन कई जटिलताएं हैं, जिन्हें समझना आसान नहीं। इसीलिए ऊपरी सतह से देखकर बिना गहराई को जाने-समझे हर हालात का एकदम सही आकलन नहीं किया जा सकता।

संघर्ष में भी अविचलित रहना ही शांति

योगेन्द्र नाथ शर्मा 'अरुण'

जीवन में हर व्यक्ति शान्ति की कामना करता है। कोई भी यह नहीं चाहता कि उसके जीवन में पल भर के लिए भी कोई ऐसी बात हो, जिससे उसका मन अशान्त हो जाए और वह बेचैनी महसूस करे। अगर कहीं हो-हल्ला हो रहा हो या आपको लगे कि आपके आसपास कुछ लोगों में संघर्ष होने वाला है तो क्या आप शान्ति से सो पाएंगे? आपका उत्तर होगा कि यह कैसे संभव है कि मेरे आसपास सशस्त्र लड़ाई हो रही हो और मैं दंगे को भूल कर सो जाऊं? अब जरा महाभारत के युद्ध में, कुरुक्षेत्र के कोलाहल भरे युद्ध-क्षेत्र में, अपने गुरु द्रोणाचार्य, पितामह भीष्म, कुरुवंश के भाई-बांधवों और युद्ध के लिए सन्नद्ध अन्य आत्मीयजनों को देखकर व्याकुल हुए अर्जुन को दिए भगवान श्रीकृष्ण के उद बोधन पर विचार कीजिये। आप पाएंगे कि वासुदेव श्रीकृष्ण तब युद्ध-क्षेत्र में खड़े व्याकुल पार्थ को स्थितिप्रज्ञ होकर कर्म करने का उपदेश देते हैं। श्रीकृष्ण कहते हैं पार्थ! भीरु मत बनो, युद्ध करो। और अंततः, अर्जुन युद्ध की विभीषिका के बीच अपना कर्तव्य का पालन करता है। अपने गुरु द्रोणाचार्य को भी ललकारता है, पितामह से भी युद्ध करता है और अंततः विजय पाण्डवों की होती है। प्रश्न फिर वही है कि 'शांति' कहां है? एक बोधकथा में इस प्रश्न का बेहद सरल और सटीक उत्तर है। बोधकथा इस प्रकार है— एक राजा को कलाकृतियों से बहुत प्यार था। एक बार उसने घोषणा की कि जो भी कलाकार उसे एक ऐसा चित्र बना कर देगा, जो शांति को दर्शाता हो तो वह कलाकार को मुंह मांगा इनाम देगा। राज्य के एक से बढ़कर एक चित्रकार इनाम जीतने के लालच में अपनी-अपनी कलाकृतियां लेकर राजा के दरबार में पहुंचे। राजा ने एक-एक करके सभी चित्रों को देखा और उनमें से दो चित्रों को अलग रखवा दिया। इनमें पहला चित्र एक अति सुन्दर शांत झील का था। उस झील का पानी इतना निर्मल था कि उस झील के अन्दर की सतह तक नज़र आ रही थी और उसके आसपास मौजूद हिमखंडों की छवि झील पर ऐसे उभर रही थी, मानो कोई दर्पण रखा हुआ हो। जो कोई भी इस चित्र को देखता, उसको यही लगता कि शांति को दर्शाने के लिए इससे अच्छी कलाकृति तो और कोई हो ही नहीं सकती। दूसरे चित्र में भी पहाड़ थे, पर वे बिल्कुल रूखे, बेजान और वीरान से थे। इन पहाड़ों के ऊपर घने काले गरजते हुए बादल थे, जिनमें बिजलियां चमक रही थींज घनघोर वर्षा होने से नदी पूरे उफान पर थीज तेज हवाओं से पेड़ हिल रहे थेज और पहाड़ी के एक ओर स्थित झरने ने रौद्र रूप धारण कर रखा था। जो कोई भी इस चित्र को देखता, वह यही सोचता कि भला इस चित्र का शांति से क्या लेना-देना? सभी आश्वस्त थे कि पहले चित्र बनाने वाले चित्रकार को ही आज इनाम मिलेगा। तभी राजा ने घोषणा की कि दूसरे चित्र को बनाने वाले चित्रकार को मुंह मांगा इनाम देंगे। दरबार में उपस्थित हर कोई आश्चर्य में था। पहले चित्रकार से रहा नहीं गया, वह बोला, लेकिन महाराज! उस चित्र में ऐसा क्या है, जो आपने उसे इनाम देने का फैसला लिया? राजा ने पहले चित्रकार को अपने साथ चलने के लिए कहा। दूसरे चित्र के समक्ष पहुंच कर राजा बोले—झरने के बायीं ओर तेज़ हवा से, एक तरह से पूरे झुके हुए इस वृक्ष को देखो? ज्देखो, इसकी डाली पर बने इस घोसले को देखो? ज्और देखो, कैसे एक चिड़िया इतनी कोमलता से, इतने शांत-भाव और प्रेम से पूर्ण होकर अपने नन्हे से बच्चों को खाना खिला रही हैज और तब राजा ने वहां उपस्थित सभी लोगों को समझाया, शांत होने का मतलब यह नहीं होता है कि आप ऐसी स्थिति में हों, जहां कोई शोर नहीं होज कोई समस्या ही नहीं होज बल्कि शांत होने का सही अर्थ तो यह है कि आप हर तरह की अव्यवस्था, अशांति और अराजकता के बीच खड़े हों और फिर भी आप शांत रहें, अपने कर्म पर केंद्रित रहेंज अपने लक्ष्य की ओर पूरे मन से अग्रसरित रहें। दरबार में उपस्थित सभी लोग समझ चुके थे कि दूसरे चित्र को राजा ने क्यों चुना है? सच यही है कि हर कोई अपनी जिंदगी में शांति चाहता है। परन्तु जाने क्यों, अक्सर हम शांति को कोई बाहरी वस्तु समझ लेते हैं और उसे बाहरी दुनिया में, पहाड़ों और झीलों में ढूंढ़ते हैं, जबकि शांति तो पूरी तरह से हमारे अन्दर की चीज है। इसीलिए कबीर ने कहा था :-

माला तो कर में फिरे, जीभ फिर मुख माहीं।
मनवा तो चहुं दिसि फिरे,यह तो सुमिरन नाहीं।

जीवन का सत्य तो यही है कि शान्ति कर्महीन होकर बैठने से नहीं मिलती, बल्कि जीवन के संघर्षों से जूझते हुए अपने आसपास दूसरों के लिए सुखों को ढूंढ़ने से मिलती है। स्वामी विवेकानन्द ने कहा है— कंदराओं में कैद होकर तपस्या करने से मन की शान्ति या मोक्ष नहीं मिलता, बल्कि दरिद्र नारायण की सेवा करने से शान्ति और मन की प्रसन्नता मिलती है। याद रखिए, शान्ति मरघटों में नहीं मिलती, बल्कि सच्ची शान्ति मानवता के लिए जूझने में मिलती है। निष्क्रियता का अर्थ है मृत्यु और सक्रियता का अर्थ है जीवन और शान्ति।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें, दुर्घटना की आशंका है।

वृषभ सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है।

मिथुन जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। चली आ रही परेशानियों से मुक्ति मिलेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क आर्थिक दृष्टि से लाभदायी है। व्यावसायिक मामलों में भी सफलता मिलेगी। स्थानान्तरण का भी लाभ मिल सकता है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा।

सिंह व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्थानान्तरण सुखद हो सकता है। नई नौकरी या नवीन वाहन का सुख मिल सकता है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रणय प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भाग्यवश सुखद समाचार मिलेगा।

कन्या आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संबंधित अधिकारी या घर के मुखिया का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। अनचाही यात्रा करनी पड़ सकती है। विरोधी सक्रिय होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी।

धनु राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

मकर व्यावसायिक योजना सफल होगी। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। वाद विवाद की स्थिति कष्टकारी होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

कुम्भ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। आपकी राशि से आठवें शनि यात्राएं देगा व थकान देगा। किसी वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। मैत्री संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन व्यय होगा।

मीन आर्थिक योजना फलीभूत होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। निजी सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक सुख में वृद्धि होगी।

लक्ष्मी विलास बैंक 1,000 करोड़ जुटाने को निवेशकों से कर रहा बातचीतः सीईओ

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र का लक्ष्मी विलास बैंक (एलवीबी) करीब एक महीना पहले ही क्लिक्स कैपीटल के साथ विलय समझौता करने के बाद अब 1,000 करोड़ रुपए की अतिरिक्त पूंजी जुटाने के लिए अन्य निवेशकों से बातचीत कर रहा है। बैंक के सीईओ एस सुंदर ने यह जानकारी दी है। निजी क्षेत्र का यह करीब 100 साल पुराना बैंक अपने पूंजी पर्याप्तता अनुपात को मजबूत बनाने के लिए विभिन्न विकल्पों को देख रहा है। बैंक का आईओन कैपिटल के समर्थन वाली गैर- बैंकिंग वित्तीय कंपनी क्लिक्स कैपिटल के साथ विलय समझौते से बैंक में 1,900 करोड़ रुपए की पूंजी प्राप्त होगी। एलवीबी के प्रबंध निदेशक और सीईओ एस. सुदर ने कहा कि बैंक को वृद्धि और मुनाफा कमाने के लिए पूंजी की आवश्यकता है। ''हमें क्लिक्स मिला है, उन्होंने बैंक के साथ विलय में रुचि दिखाई। इसमें फायदा यह है कि वह पूंजी के मामले में अधिशेष स्थिति में हैं जबकि हमारे पास पूंजी की कमी है। उन्होंने कहा, ''हमें पूंजी की जरूरत है और उनके पास अधिशेष पूंजी है। इसलिए मुझे यह बेहतर गठबंधन लगा। यह इस लिहाज से बेहतर है कि उनके पास करीब 1,900 करोड़ रुपए की अधिशेष पूंजी है। क्लिक्स अपने साथ करीब 4,500- 4,600 करोड़ रुपए की संपत्ति ला रही है जिसमें से 1,900 करोड़ रुपए शेयरधारकों का कोष है। सुदर ने कहा इस समझौते को पूरा करने के लिए 45 दिन की अधिकतम समयसीमा तय की गई है। एलवीबी का कुल पूंजी पर्याप्तता अनुपात बेसल-तीन दिशानिर्देशों के मुताबिक 31 मार्च 2020 को 1.12 प्रतिशत पर था जबकि 31 दिसंबर 2019 को यह 3.46 प्रतिशत पर था। वर्ष 1926 में स्थापित इस बैंक ने पिछले पांच साल के दौरान केवल 2,002 करोड़ रुपए की इक्विटी पूंजी जुटाई है। बैंक को मार्च 2020 को समाप्त तिमाही में 92.86 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ हुआ है। इससे पहले लगातार दस तिमाहियों में बैंक को घाटा हो रहा था। रिजर्व बैंक ने उसे सितंबर 2019 में त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई (पीसीए) के तहत डाल दिया था। इस कार्रवाई के तहत बैंक को अतिरिक्त पूंजी लाने, कंपनियों को आगे और कर्ज नहीं देने और गैर-निष्पादित राशि (एनपीए) में कमी लाने तथा प्रावधान कवरेज अनुपात को बढ़ाकर 70 प्रतिशत करने को कहा है।

पेट्रोल पंप पर फ्री में मिलती हैं 9 सुविधाएं, ना मिलने पर कर सकते हैं शिकायत, लगेगा भारी जुर्माना

नई दिल्ली । वैसे तो पेट्रोल पंप पेट्रोल और डीजल के तुरंत पैसे चुकाने पड़ते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि हर पेट्रोल पंप ग्राहकों को 9 तरह की सुविधाएं बिल्कुल मुफ्त मिलती हैं।यही नहीं अगर ये सेवाएं देश के किसी भी पंप पर न मिलें तो आप इसके लिए शिकायत कर सकते हैं। शिकायत सही पाई गई तो फिर उस पेट्रोल पंप पर जुर्माना लग सकता है। इसके अलावा, पेट्रोल पंप का लाइसेंस तक कैंसिल हो सकता है।पीने के लिए शुद्ध पानी होना जरूरी पेट्रोल पंप डीलर को अपने पंप पर आम लोगों की सुविधा के लिए निशुल्क पीने के पानी की सुविधा देनी होगी। इसके लिए पेट्रोल पंप डीलर को आरओ मशीन, वॉटर कूलर और पानी का कनेक्शन खुद से लगवाना होगा। अगर किसी पंप पर पीने के पानी की सुविधा न मिलें तो इसके लिए भी तेल मार्केटिंग कंपनी से शिकायत कर सकते हैं। अगर आप रास्ते में किसी परेशानी में फंस जाएं और मोबाइल फोन की सुविधा न हो, तो घबराने की जरूरत नहीं है। आप किसी भी पेट्रोल पंप पर जाकर के किसी एक नंबर पर कॉल कर सकते हैं। इसके लिए पेट्रोल पंप पर तैनात कर्मचारी या फिर मैनेजर आपसे मना नहीं कर सकता है। यह सुविधा भी पेट्रोल पंप पर फ्री में मिलती है। शौचालय की सुविधा पेट्रोल पंप पर साफ व स्वच्छ शौचालय की सुविधा लोगों को मिलती है। इसका प्रयोग करने के लिए आपको कोई नहीं रोक सकता है। अगर पेट्रोल पंप पर गंदे और टूटे शौचालय हैं, तो इसकी शिकायत आप तेल कंपनी से कर सकते हैं। हर पेट्रोल पंप पर एक फर्स्ट एड बॉक्स की सुविधा होनी चाहिए, ताकि आम जनता जरूरत पड़ने पर इनका इस्तेमाल कर सके। इस बॉक्स में जीवनक्षक दवाएं और मरहम-पट्टी होनी चाहिए। इसके साथ ही सभी दवाइयों पर एक्सपायरी डेट भी लिखी होनी चाहिए। इस बॉक्स में दवाएं पुरानी नहीं होनी चाहिए।

विप्रो के चेयरमैन ने कहा, फिलहाल कर्मचारियों को निकालने की योजना नहीं

बेंगलुरु।

देश की बड़ी आईटी कंपनी विप्रो लिमिटेड के चेयरमैन रिशद प्रेमजी ने कहा कि कोविड-19 महामारी के प्रभाव के बावजूद एक भी कर्मचारी को नहीं निकाला है। विप्रो चेयरमैन ने यह बात सोमवार को कंपनी के 74वें वार्षिक आम बैठक में कही। प्रेमजी ने कहा, इसके अलावा फिलहाल हमारे पास किसी को नौकरी से निकालने की कोई योजना नहीं है। हालांकि, विप्रो ने निवेशकों के सवालों को संबोधित करते हुए कहा, चुनौतीपूर्ण समय में विभिन्न परिचालन साधनों के माध्यम से लागत में कटौती जारी है। वर्तमान में, विप्रो के 95 फीसदी से अधिक कर्मचारी घर से काम कर रहे हैं और भविष्य में एक हाइब्रिड मॉडल होने की उम्मीद है। प्रेमजी ने कहा, हम घर से काम और कार्यालय से काम के बीच एक संतुलन के लिए कदम हो सकता है। यह मॉडल अगले 12-18 महीनों में विकसित होगा।

एच1-बी वीजा पर अमेरिकी सरकार के प्रतिबंध पर निवेशकों की चिंताओं को दूर करते हुए प्रेमजी ने इस कदम को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया। उन्होंने कहा, हालांकि, विप्रो ने अपनी स्थानीयकरण यात्रा के साथ डी-रिस्क किया है, जिसमें लगभग 70 अमेरिकी कर्मचारी स्थानीय रूप से काम पर रखे जा रहे हैं। बेंगलुरु स्थित आईटी कंपनी के लिए अमेरिका सबसे बड़ा बाजार है और वित्त वर्ष 2020 में कंपनी के कुल राजस्व में 59.1त्न का योगदान अमेरिका से रहा। कंपनी ने भारत के बाहर स्थित 41,000 से अधिक कर्मचारियों को नियोजित किया, जो वित्त वर्ष 2020 में कंपनी के कुल वर्कफोर्स 1,88,270 में से है। वैश्विक महामारी के चलते क्लाइंट्स के खर्च का पैटर्न बदल गया है और बहुत सारे खर्चे में कमी आई है। उन्होंने कहा, हालांकि इंफ्रास्ट्रक्चर, क्लाउड और वर्चुअल रिमोट एसेस के क्षेत्र में बहुत कुछ करने को है।

ताजा सौदों की लिवाली से बिनौलातेल खली वाायदा कीमतों में तेजी

नयी दिल्ली। मजबूत हाजिर मांग के कारण सटोरियों ने ताजा सौदों की लिवाली की जिससे वायदा कारोबार में सोमवार को बिनौलातेल खली की कीमत 24 रुपये की तेजी के साथ 1,975 रुपये प्रति क्विन्टल हो गयी। एनसीडीईएक्स में बिनौलातेल खली के जुलाई महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 24 रुपये अथवा 1.23 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,975 रुपये प्रति क्विन्टल हो गयी जिसमें 11,970 लॉट के लिए कारोबार हुआ। हालांकि, बिनौलातेल खली के अगस्त महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 17 रुपये अथवा 0.84 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,017 रुपये प्रति क्विन्टल रह गयी जिसमें 46,230 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार सूत्रों ने कहा कि पशुचारा निर्माता कंपनियों की बढ़ती मांग के बीच कारोबारियों द्वारा अपने सौदों का आकार बढ़ाने से मुख्य रूप से यहां वायदा कारोबार में बिनौलातेल खली कीमतों में तेजी आई। बाजार सूत्रों ने कहा कि पशुचारा निर्माता कंपनियों की बढ़ती मांग के बीच कारोबारियों द्वारा अपने सौदों का आकार बढ़ाने से मुख्य रूप से यहां वायदा कारोबार में बिनौलातेल खली कीमतों में तेजी आई।

कोविड-19 के टीके में देरी हुई तो भारत की जीडीपी घट सकती है 7.5 प्रतिशत तकः रपट

मुंबई। कोविड-19 का टीका आने में यदि लंबा समय लगता है तो इसका असर देश की अर्थव्यवस्था पर ज्यादा पड़ सकता है। वैश्विक ब्रोकिंग कंपनी बैंक ऑफ अमेरिका सिक्युरिटीज के मुताबिक यदि टीका आने में लंबा समय लगा तो भारतीय अर्थव्यवस्था 2020-21 में 7.5 प्रतिशत तक सिकुड़ने का अनुमान है। हालांकि, परिस्थितियां यदि उम्मीद के मुताबिक रहती हैं तो तब ब्रोकिंग कंपनी ने भारतीय अर्थव्यवस्था में चार प्रतिशत गिरावट का अनुमान लगाया गया है। कंपनी के अर्थशास्त्रियों ने एक हफ्ते के भीतर ही देश की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि को लेकर अपने अनुमान को संशोधित किया है। रपट के मुताबिक देश में आर्थिक गतिविधियों में आयी गिरावट के चलते यदि उम्मीद के अनुरूप स्थिति रहती है तब भी अर्थव्यवस्था चार प्रतिशत सिकुड़ने का अनुमान है। हालांकि, इससे पहले कई विश्लेषकों ने भारतीय अर्थव्यवस्था में चालू वित्त वर्ष के दौरान पांच प्रतिशत तक गिरावट आने का अनुमान व्यक्त किया है। रपट में कहा गया है कि कोरोना वायरस का टीका खोजा जाने को लेकर वैश्विक और घरेलू दोनों जगहों पर कई स्तरों पर प्रयास किए जा रहे हैं। ''यदि वैश्विक अर्थव्यवस्था को कोविड-19 के टीके का इंतजार एक साल तक करना पड़ता है तो देश की वास्तविक जीडीपी 7.5 प्रतिशत तक गिर सकती है।''

कोरोना संकट के बीच अच्छी खबर, 40 हजार फ्रेशर को नौकरी देगी टीसीएस

बेंगलूरु।

कोरोना संकट के बीच जहां तमाम कंपनियां छंटनी और कर्मचारियों की सैलरी में कटौती कर रही हैं, वहीं आईटी की दिग्गज कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने राहत की खबर दी है। टीसीएस ने पूरे देश के कैम्पस से 40 हजार फ्रेशर्स को नौकरी देने का फैसला किया है। साथ ही कंपनी ने इस साल अमेरिका में इस साल कैंपस से करीब 2000 भर्तियां करने की योजना बनाई है। यह संख्या पिछले वित्त वर्ष की तुलना में दोगुना है। इसका मकसद एच-1बी और एल-1 वर्क वीजा पर निर्भरता कम करना है जिन्हें हासिल करना मुश्किल होता जा रहा है। कोरोना के कारण जून तिमाही में टीसीएस के राजस्व में भारी गिरावट आई थी। लेकिन इसके बावजूद कंपनी ने इस बार भी कैंपस से 40 हजार भर्तियां करने का फैसला किया है। टीसीएस के ईवीपी और ग्लोबल एचआर हेड मिलिंद लक्कड़ ने कहा, नींव से शुरुआत करने की हमारी रणनीति में कोई बदलाव नहीं आया है। भारत में हम 40 हजार भर्तियां करेंगे। यह संख्या 35 हजार या 45 हजार भी हो सकती है। यह एक टेक्टिकल कॉल होगा। कंपनी को उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में बिजनेस पटरी पर लौटेगा। कंपनी अमेरिका में इंजीनियरों के अलावा 10 टॉप बिजनस स्कूलों से भी ग्रेजुएट्स को हायर कर रही है। टीसीएस अहम बिजनस रोल के लिए फ्रेशर के साथ-साथ अनुभवी पेशेवरों की भी भर्ती कर रही है। लक्कड़ ने कहा, लोकल डिलीवरी हमारे लिए नई नहीं है, हमें बस इसका स्केल बढ़ाना पड़ा है। कंपनी नें 2014 से 20 हजार से अधिक अमरीकियों को हायर किया है। लक्कड़ ने राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के एच-1बी और एल-1 वर्क वीजा सस्पेंड करने के फैसले को दुर्भाग्यपूर्ण और अनुचित बताया। उन्होंने कहा कि इसका अल्पकालिक प्रभाव होगा। उन्होंने कहा कि इससे कर्मचारियों में अनिश्चितता और नाराजगी है। उन्होंने कहा कि ये एसोसिएट्स बड़े बैंकों, रिटेलरों, टेलीकॉम कंपनियों को चलाने में मदद करते हैं और अमेरिका की इकनॉमी में योगदान करते हैं। भारत में कंपनी ने पिछले साल 40 हजार कैंपस भर्तियां की थी। ये फ्रेशर जुलाई के मध्य में कंपनी से जुड़ना शुरू हो जाएंगे। इनमें से 87 फीसदी पहले से ही अपने लर्निंग प्लेटफॉर्म पर ऐक्टिव हैं। करीब 8000 से 11000 रिक्रूट्स का हर हफ्ते ऑनलाइन एसेसमेंट लिया जाता है। 8000 से अधिक फ्रेशर ज्वॉइनिंग से पहले ही एक या दो डिजिटल सर्टिफिकेशन पूरा कर चुके हैं। कंपनी साथ ही विभिन्न पदों पर 100 से अधिक अनुभवी पेशेवरों की भर्ती कर रही है। कंपनी साथ ही विभिन्न पदों पर 100 से अधिक अनुभवी पेशेवरों की भर्ती कर रही है। पिछली तिमाही में इन पदों पर कंपनी ने मामूली भर्तियां की थी।

गैर-निजी डेटा के उपयोग को लेकर तैयार मसौदे पर सरकार ले लोगों से मांगी राय

नयी दिल्ली। सरकार ने गैर-निजी डेटा के उपयोग,प्रबंधन और नियम से जुड़े नियमों के एक मसौदे पर लोगों से राय मांगी है। इस मसौदे को इंफोसिस के सह-संस्थापक और उद्यम निवेशक कृष गोपालकृष्णन की अध्यक्षता में बनायी गयी एक विशेषज्ञ समिति ने तैयार किया है। इस समिति को पिछले साल सितंबर में गठित किया गया था। इसने अपनी रपट सरकार को जमा कर दी है। सरकार के जन-भागीदारी मंच माईगव पर इसे लेकर एक परिचर्चा शुरू की गयी है। माईगव ने कहा, '' गैर-निजी डेटा नियमन ढांचा पर बनी विशेषज्ञ समिति अपनी रपट पर आपकी राय चाहती है। आपके सुझाव इस रपट को अंतिम रूप देने में मदद करेंगे।'' समिति को गैर-निजी डेटा से जुड़े विभिन्न मुद्दों का अध्ययन कर विशेष सुझाव देने के लिए कहा गया था, ताकि केंद्र सरकार गैर-निजी डेटा के नियमन को लेकर विचार-विमर्श कर सके। देश में निजी जानकारी सुरक्षा विधेयक पर अभी भी काम चल रहा है। ऐसे में गोपालकृष्णन समिति ने अपनी रपट में गैर-निजी डेटा को परिभाषित किया है। समिति ने अपनी रपट तैयार करने के लिए कई अन्य अध्ययन रपटों के आधार पर आंकड़े जुटाए। अध्ययन दिखाते हैं कि जिन कंपनियों के पास जितना ज्यादा डेटा होता है उन्हें उसका उतना ही 'प्रौद्योगिकी-आर्थिक लाभ' मिलता है।

एरिक्सन इंडिया को अपनी प्रौद्योगिकी की ताकत पर भारत में अनुबंध हासिल करने का भरोसा

नई दिल्ली।

चीन के खिलाफ बढ़ती जनभावना के बीच स्वीडन की दूरसंचार उपकरण कंपनी एरिक्सन को अपनी प्रौद्योगिकी की ताकत के बूते भारतीय बाजार में अनुबंध हासिल करने का भरोसा है। हालांकि, इसके साथ ही उसने कहा है कि उसकी परिपाटी है कि वह अपनी कोई व्यावसायिक योजना ऐसे ममलों से तय नहीं करती जो उसके नियंत्रण में न हों। एरिक्सन इंडिया के प्रमुख नितिन बंसल ने एक सवाल पर कहा कि कंपनी को अपनी प्रौद्योगिकी की ताकत पर काफी भरोसा है। उनसे पूछा गया था कि क्या चीन के खिलाफ भावना से भारतीय दूरसंचार बाजार में गैर-चीनी उपकरण कंपनियों को कोई प्रतिस्पर्धी लाभ होगा। उल्लेखनीय है कि भारत में डेटा और वॉयस का उपभोग नई ऊंचाई पर पहुंच रहा है। बंसल ने से कहा, ''हम अपने कारोबार की योजना किसी बात के भरोसे नहीं बनाते जो हमारे नियंत्रण से बाहर हैं। वैश्विक स्तर पर देखें तो हम अपनी प्रौद्योगिकी के बूते अनुबंध हासिल कर रहे हैं। इससे पहले इसी महीने भारत संचार निगम लि. (बीएसएनएल) ने 4जी दूरसंचार नेटवर्क उन्नयन के लिए करोड़ों रुपये की निविदा रद्द कर दी थी। सरकार ने कंपनी से चीन के उपकरणों का इस्तेमाल नहीं करने को कहा था। इसके अलावा दूरसंचार क्षेत्र में 5जी का परीक्षण भी काफी महत्वपूर्ण है। यह परीक्षण भविष्य में विशाल 5जी नेटवर्क स्थापित करने के लिए किया जाना है। भारतीय बाजार में दुनिया की कई बड़ी कंपनियां एरिक्सन, नोकिया और सैमसंग के अलावा चीन की हुवावेई और जेडटीई की मौजूदगी है। भारत में तेजी से डिजिटलीकरण और डेटा की भारी मांग के बीच ऑपरेटरों को अपने नेटवर्क को बढ़ाना पड़ रहा है। बंसल ने भरोसा जताया कि सरकार अनुबंधों में चीन की कंपनियों की भागीदारी पर जो भी फैसला ले, एरिक्सन अपनी प्रौद्योगिकी की ताकत के बूते भारतीय बाजार में अनुबंध हासिल करेगी। उल्लेखनीय है कि सरकार ने 29 जून को चीन से संबंधित 59 ऐप पर रोक लगा दी थी। इनमें टिकटॉक और यूसी ब्राउजर भी शामिल हैं। इसके अलावा वीचैट और बिगो लाइव पर भी रोक लगाई गई है।

अमेरिका 2019-20 में भी बना रहा भारत का सबसे बड़ा व्यापार साझेदार

नई दिल्ली। अमेरिका लगातार दूसरे साल 2019-20 में भी भारत का सबसे बड़ा व्यापार साझेदार बना रहा, जो दोनों देशों के बीच बढ़ते आर्थिक संबंधों को दर्शाता है। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 2019-20 में अमेरिका और भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार 88.75 अरब अमेरिकी डॉलर रहा, जो 2018-19 में 87.96 अरब डॉलर था। अमेरिका उन चुनिंदा देशों में एक है, जिनके साथ भारत का व्यापार अधिशेष है। आंकड़ों के अनुसार 2019-20 में दोनों देशों के बीच व्यापार अंतर बढ़कर 17.42 अरब डॉलर भारत के पक्ष में रहा । 2018-19 में अधिशेष 16.86 अरब डॉलर था। अमेरिका 2018-19 में चीन को पीछे छोड़कर भारत का शीर्ष व्यापारिक साझेदार बन गया था। भारत और चीन के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2019-20 में घटकर 81.87 अरब डॉलर रह गया, व्यापार 2019-20 में घटकर 81.87 अरब डॉलर रह गया, जो 2018-19 में 87.08 अरब डॉलर था। दोनों देशों के बीच व्यापार अंतर भी 53.57 अरब डॉलर से घटकर 48.66 अरब डॉलर रह गया। आंकड़ों के मुताबिक चीन 2013-14 से 2017-18 तक भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार था। चीन से पहले, यूएई देश का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार था।

कोरोना का अर्थव्यवस्था पर असर, विश्व की 77 फीसदी कंपनियों के राजस्व में कमी

नई दिल्ली।

कोरोना वायरस के विश्वव्यापी संकट के इस दौर में कामकाज पर काफी असर पड़ा है। कोविड19 महामारी के मौजूदा संकट की वजह से करीब 77 फीसदी कंपनियों के राजस्व में गिरावट दर्ज की गई है। यह जानकारी हाल में ही किए गए एक वैश्विक सर्वेक्षण में सामने आई है। कोविड19 महामारी से दुनिया भर में सवा करोड़ से अधिक लोगों के पीड़ित होने के इस दौर में 720 ट्रांसफार्म ऑफ दुबई, प्रोफेसी एफजेएलएलसी-मध्य पूर्व और भारत की कंपनी इनसाइट्स3ष्ठ ने यह सर्वे किया है। संयुक्त रूप से किए गए इस सर्वे के अनुसार भारत और मध्यपूर्व के देशों में स्थित करीब सात फीसदी कंपनियों ने राजस्व में वृद्धि दर्ज की है। कोरोना संकट की वजह से करीब 16 फीसदी कंपनियां अप्रभावित हैं। इस सर्वे के लिए लगभग 282 कार्यकारियों से बातचीत की गई, जिसमें सभी उद्योग सेगमेंट से सीईओ और एमडी शामिल हैं। कोरोना के दुनिया भर में फैले संकट की वजह से जिन कंपनियों पर नकारात्मक असर पड़ा है और उनके राजस्व में गिरावट आई है, उनमें से 30 फीसदी कंपनियों ने राजस्व में 50 फीसदी से अधिक की गिरावट दर्ज की है। इस सर्वे में शामिल 30 फीसदी कंपनियों की आमदनी में 30-50त्न गिरावट दर्ज की गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सर्वे में शामिल लगभग 30 फीसदी कंपनियों को आमदनी सुधारने के लिए कठोर उपाय करने की जरूरत है। इनमें उच्चस्तर का युक्तिकरण, बिक्री या विलय आदि शामिल हैं। इस सर्वे रिपोर्ट के बारे में प्रोफेसी एफजेडएलएलसी के राजा मारुर ने कहा, हमारा मानना है कि कोरोना संकट की वजह से दुनिया भर में कामकाजी माहौल बदला है। एक नई सामान्य स्थिति की परिकल्पना की जा रही है जिसे इस सर्वे ने सही साबित किया है। इस संकट की वजह से लोगों की आमदनी पर असर पड़ा है और उसकी वजह से कंपनियों पर पड़े असर उनकी आपूर्ति श्रृंखला के वैश्विक एकीकरण के पैमाने और स्तर के लिहाज से अलग-अलग हैं।

बिजली की खपत कम करने के लिए भारतीय रेलवे की अनूठी पहल

नई दिल्ली ।

बिजली का उपयोग कम करने के लिए भारतीय रेलवे ने सराहनीय पहल की है। रेल मंत्रालय ने एक ट्वीट के जरिए बताया है कि इस अनूठी पहल के तहत अब ट्रेन के प्लेटफॉर्म पर आने पर 100 प्रतिशत लाइट्स जलेंगी और ट्रेन के जाने पर 50 फीसदी लाइट्स अपने आप बंद हो जाएंगी। इस व्यवस्था को पश्चिमी रेलवे के जबलपुर, भोपाल और नरसिंहपुर स्टेशन पर शुरू किया गया है। कि बीते कुछ समय से रेलवे ने कई नए प्रयोग किए हैं, जो रेलवे की कार्यप्रणाली को बेहतर बनाने में मददगार साबित हो रहे हैं। इससे पहले रेलवे ने बैटरी से चलने वाले इंजन को बनाया है। इसका सफल परीक्षण भी किया जा चुका है। रेल मंत्री पीयूष गोयल ने इंजन के टेस्टिंग का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा भी किया था। मुताबिक, इस इंजन का निर्माण बिजली और डीजल की खपत को कम करने के लिए किया गया है। इसका सफल परीक्षण भी किया जा चुका है। रेल मंत्री पीयूष गोयल ने इंजन के टेस्टिंग का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा भी किया था।

मुताबिक, इस इंजन का निर्माण बिजली और डीजल की खपत को कम करने के लिए किया गया है। पश्चिम मध्य रेल के जबलपुर मंडल में बैटरी से चलने वाले ड्यूल मोड शंटिंग लोको नवदूत को बनाया गया है। रेलवे की मुताबिक, बैटरी से ऑपरेट होने वाला यह लोको, डीजल की बचत के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी सहायक होगा।

डिजिटिल अर्थव्यवस्था में तेजी के लिए गूगल भारत में करेगा 75 हजार करोड़ का निवेश

नेशनल डेस्क।

गूगल ने भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करने में मदद के उद्देश्य से 10 अरब डॉलर (75 हजार करोड़ रुपए) के गूगल डिजिटिजेशन फंड की घोषणा की है। गूगल एवं अल्फाबेट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुदंर पिचाई ने आज गुगल फार इंडिया कार्यक्रम के दौरान यह घोषणा करते हुए कहा कि अगले पांच से सात सालों में यह निवेश किया जाएगा। उनकी कंपनी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डिजिटल इंडिया दृष्टिकोण में सहयोग कर बहुत गौरवान्वित महसूस कर रही है। पिचाई ने कहा कि उनकी कंपनी का ध्यान अधिक से अधिक भारतीयों को आगे बढ़ने और सफल होने में इंटरनेट के उपयोग करने में सक्षम बनाने पर है। अभी देश का अधिकांश कारोबारा डिजिटल बन रहा है। उन्होंने देश में छोटे कारोबारियों को सफल बनाने के लिए गूगल द्वारा किए गए प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी कंपनी तीन करोड़ महिलाओं को डिजिटली साक्षर बनाने की दिशा में काम कर रही है। पिचाई ने कहा कि 20 लाख से अधिक उपभोकर्ताओं ने आवश्यक वस्तुओं की खरीद के लिए गूगल पे का उपयोग किया है और 30 लाख से अधिक कारोबारी गूगल पे से भुगतान स्वीकार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रसार भारती के साथ मिलकर एक डजुटेनमेंट सीरीज शुरू करने की तैयारी चल रही है जिसमें छोटे कारोबारियों को वर्तमान स्थिति में डिजिटल टूल को अपनाने के बारे में बताया जाएगा। पिचाई की इस घोषणा का स्वागत करते हुए केंद्रीय संचार, सूचना प्रौद्योगिकी एवं इलेक्ट्रानिक्स मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा कि वह इससे बहुत खुश हैं कि गूगल ने भारत के डिजिटल इवाचार को स्वीकारा है और इसमें आगे संभावनायें सृजित करने की आवश्यकता पर बल दिया है। उन्होंने कहा कि देश में डिजिटल अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है और गूगल के इस फंड से इसमें तेजी आएगी।

टाटा मोटर्स ने डिजिटल बेड़ा प्रबंधन समाधान पेश किया, परिचालन पर ग्राहकों का होगा बेहतर नियंत्रण

मुंबई।

टाटा मोटर्स ने वाणिज्यक वाहनों की स्थिति, ईंधन दक्षता समेत अन्य बातों का वास्तविक समय पर पता लगाने के लिये 'फ्लीट एज' नाम से डिजिटल नेटवर्क से कनेक्टेड वाहन- बेड़ा -प्रबंधन हलसमाधान पेश किया है। इस अत्याधुनिक 'कनेक्टेड' प्रोद्योगिकी के जरिये वाहन परिचालक वाहनों का बेहतर तरीके से परिचालन कर सकेंगे और उस पर नियंत्रण रख सकेंगे। 'टाटा मोटर्स फ्लीट एज प्रौद्योगिकी' वाणिज्यिक वाहनों को पर नजर रखने, उनकी स्थिति का पता लगाने, चालक के व्यवहार, ईंधन दक्षता , ईंधन नुकसान के बारे में समय पर सूचना समेत अन्य जानकारी वास्तविक समय पर उपलब्ध कराएगी। मोटर्स ने सोमवार को एक विज्ञप्ति में कहा कि' फ्लीट एज सोल्यूशन' मझोले से लेकर भारी वाणिज्यिक वाहनों के लिये उपलब्ध है। इसमें भारत चरण-6 मानकों वाले ट्रक और बसें शामिल हैं। इसके अलावा 'इंटरमीडिएट' और हल्के वाणिज्यिक वाहनों के साथ-साथ छोटे वाणिज्यियक वाहनों के कुछ मॉडल भी इसके दायरे में हैं। घरेलू वाहन कंपनी 2012 से अपने वाहनों में टेलीमैटिक्स समाधान उपलब्ध करा रही है। फिलहाल उसके 2,00,000 मझोले और भारी वाणिज्यिक वाहनों में टेलीमेटिक्स इकाइयां लगी हुई हैं। ये कारखानों में ही लगाये गये। इसके जरिये वाहनों की स्थिति, गति आदि के बारे में पता लगाया जा सकता है। टाटा मोटर्स के अध्यक्ष (वाणिज्यिक वाहन कारोबार इकाई)गिरीश वाग ने कहा , ''डिजिटल प्रौद्योगिकी और कनेक्टिविटी समाधान यात्री और माल की ढुलाई में उपयोग होने वाले वाहनों की स्थिति में तेजी से बदलाव ला रहे हैं। वाले वाहनों की स्थिति में तेजी से बदलाव ला रहे हैं। वाहन टेलीमेटिक्स के जरिये जो आंकड़े भेज सकते हैं, उससे पूरी 'लॉजिस्टिक' श्रृंखला के लिये कई नई संभावनाएं खुल रही हैं।'' उन्होंने कहा, ''फ्लीट एज के साथ हमने नया मानक स्थापित किया है। इसके माध्यम से ग्राहकों को दूर बैठे अपने वाहनों के बेड़ों के बारे में पूरी सूचना और बेहतर बेहतर नियंत्रण उपलब्ध होगा।''

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

आखिरी बार कर रहा हूँ अर्जुन अवार्ड के लिए आवेदन - ग्रांड मास्टर सेथुरमन

चेन्नई । भारत के शीर्ष ग्रांड मास्टर मे शुमार पूर्व एशियन चैम्पियन , विश्व शतरंज ओलंपियाड कांस्य पदक विजेता टीम के सदस्य और लगातार कई बारा शतरंज विश्व कप के लिए चयनित होने वाले ग्रांड मास्टर एसपी सेथुरमन नें भारतीय खेल मंत्रालय के शतरंज खिलाड़ियों को मान्यता ना देने पर घोर निराशा जताते हुए कहा है की वह इस बार आखिरी बार अर्जुन अवार्ड के लिए आवेदन दे रहे है और इसके बाद वह कभी इसके लिए आवेदन नहीं करेंगे । इसके एक दिन पहले भारतीय टीम के पूर्व चयनकर्ता और कोच रहे ग्रांड मास्टर आरबी रमेश नें लगातार अंतर्राष्ट्रीय पदक दिलाने पर भी देश की खेल नीति की आलोचना करते हुए कहा था की उन्हे सैकड़ों अंतर्राष्ट्रीय पदक दिलाने के बाद भी सरकार से कभी कोई सम्मान नहीं मिला उन्होने यह भी बताया की कैसे अब तक विदेशी कोचो के मुकाबले भारतीय कोचों को कभी बराबर मेहनतना नहीं मिलता है । खैर शीर्ष भारतीय ग्रांड मास्टर नें कहा की वह रमेश की हर एक बात का समर्थन करते है और लगातार उनकी उपलब्धियों के बाद भी शतरंज खिलाड़ियों को कोई सम्मान ना दिया जाना घोर अन्याय है । उन्होने कहा की विश्व शतरंज ओलंपियाड जिसमें दुनिया के 186 देशो के खिलाड़ी खेलते हुए उसमें कांस्य जीतने के बाद भी सरकार से कोई अवार्ड ना मिलने से उन्हे घोर निराशा हुई थी और उनके खेल पर भी इसका असर पड़ा ।

फुटबॉल

17 जुलाई से ए-लीग शुरू होगी; कोरोना के कारण तीन टीमें 14 दिन के लिए क्वारैंटाइन हुईं

स्पोर्ट्स डेस्क ।

ऑस्ट्रेलिया में 4 महीने बाद 17 जुलाई से टॉप फुटबॉल लीग की वापसी हो रही है। फुटबॉल फेडरेशन ऑफ ऑस्ट्रेलिया (एफएफए) ने सोमवार को यह जानकारी दी। पहले गुरुवार से ए-लीग शुरू होनी थी, लेकिन मेलबर्न में कोरोना का मामला सामने आने के बाद इसे एक दिन आगे बढ़ा दिया गया। तीन टीमों मेलबर्न विक्ट्री, वेस्टर्न यूनाइडेट और मेलबर्न सिटी को एहतियतान सिडनी में ही रोका गया है। यहां तीनों टीमें 14 दिन क्वारैंटाइन रहेंगी। कोरोना संक्रमण न फैले, इसे देखते हुए ए-लीग में दर्शकों की संख्या नियंत्रित रहेगी। स्टेडियम में 4500 लोगों से ज्यादा को एंट्री नहीं दी जाएगी। शेड्यूल में बदलाव के बाद अब शुक्रवार को पहला मैच सिडनी एफसी और वेलिंग्टन फिनिक्स के बीच होगा। पहले यह मुकाबला मेलबर्न विक्ट्री और वेस्टर्न यूनाइडेट के बीच होना था। खिलाड़ी में कोरोना लक्षण नजर आने पर टूर्नामेंट रीशेड्यूल हुआ एफएफए के हेड ऑफ लीग ग्रेग ओ रोरकी ने एक बयान जारी कर कहा कि पिछले हफ्ते ए-लीग का शेड्यूल जारी करने के बाद से हमें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। पिछले हफ्ते मेलबर्न की एक टीम के खिलाड़ी में कोरोना के लक्षण नजर आने के बाद टूर्नामेंट को रीशेड्यूल करना पड़ा। उन्होंने कहा कि हम 4 हफ्ते के भीतर लीग के सभी 27 मुकाबलों को खत्म करने की कोशिश करेंगे, ताकि 23 अगस्त को लीग का फाइनल खेला जा सके। वहीं, न्यू साउथ वेल्स अथॉरिटी ने भी विक्टोरिया से लगने वाली अपनी सीमा को बंद कर दिया। फिलहाल, तीनों टीमों के खिलाड़ियों को वेस्टर्न सिडनी के एक होटल में ठहराया गया है। सोमवार को सभी खिलाड़ियों का कोरोना टेस्ट हुआ। सोमवार को सभी खिलाड़ियों का कोरोना टेस्ट हुआ। अगर सभी की रिपोर्ट निगेटिव आती है तो मंगलवार से खिलाड़ी ट्रेनिंग शुरू कर सकेंगे।

हमारे खिलाड़ियों को मेगन रेपिनो की तरह सोच विकसित करनी होगी : भारतीय कोच मेमोल रॉकी

स्पोर्ट्स डेस्क ।

भारतीय महिला फुटबॉल टीम की मुख्य कोच मेमोल रॉकी ने अपनी खिलाड़ियों से 2019 फीफा विश्व कप गोल्डन बॉल और गोल्डन बूट पुरस्कार विजेता मेगन रेपिनो की तरह खेल के प्रति 'दृष्टिकोण विकसित करने' का सुझाव दिया। एआईएफएफ टीवी से बात करते हुए मेमोल ने कहा वह अमेरिका की रेपिनो से 2019 फीफा महिला विश्व के दौरान फ्रांस में मिली थी। मेमोल ने कहा- मेगन के साथ मेरी संक्षिप्त बातचीत हुई थी। उसका रवैया शानदार था। वह खेल में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक है। लेकिन उसमें अहंकार बिल्कुल नहीं है। वह आज जिस मुकाम पर है उसे पाने के लिए उसने पूरी जी-जान लगा दी है। भारतीय कोच ने कहा- मैं अपनी खिलाड़ियों से कहती हूं कि हमें भी उसी तरह का रवैया अपनाना चाहिए। वह किसी भी युवा फुटबॉलर के लिए एक आदर्श प्रेरणास्रोत है। मेमोल ने उनसे मुलाकात और विश्व कप की यादों को साझा करते हुए कहा- मैं फीफा कार्यक्रम के तहत अपने गुरू के साथ वहां गयी थी। मैचों को देखते समय मैं सिर्फ यह सोचती थी कि अगर मैदान पर हमारी टीम होती तो कैसा लगता। यह अविस्मरणीय होता। यह अगले साल अंडर -17 विश्व कप में भी टीम की खिलाड़ियों के लिए ऐसा ही होगा। मैं उनका हौसला बढ़ाने के लिए निश्चित रूप से वहां मौजूद रहूंगी।

वेस्टइंडीज से मिली हार पर बोले स्टोक्स, कहा- प्रंशसकों के बिना नुकसान हुआ

साउथम्पटन । वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट मुकाबले में हार का सामना करने के बाद कार्यवाहक कप्तान बेन स्टोक्स ने कहा कि अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में लौटने पर बहुत अच्छा महसूस हो रहा है लेकिन खिलाड़ियों को प्रंशसकों के बीच खेलने की आदत है और उनके बिना खेलने का निश्चित रूप से नुकसान हुआ। स्टोक्स ने नियमित कप्तान जो रुट की जगह इस मैच में कप्तानी संभाली और कप्तानी में अपने पहले ही टेस्ट में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। स्टोक्स ने रविवार को मुकाबले के बाद कहा, 'दोनों टीमों को तैयारियों के लिए पूरा समय मिला है। हम तीन-चार सप्ताह पहले अभ्यास शिविर में आ गए थे और वेस्ट इंडीज की टीम भी मैनचेस्टर में थी। यह बेहद कठिन मुकाबला था और पांचवें दिन तो मैच और भी रोमांचक हो गया था। उन्होंने विपक्षी टीम को दिए गए 200 रन के लक्ष्य को लेकर कहा, 'आपको विश्वास होना चाहिए क्योंकि अगर आप सोचेंगे कि आपने अधिक रन नहीं बनाए हैं तो आप पहले से ही हारना शुरू हो जाते हैं। हालांकि हमें पहली पारी में अधिक रन बनाने चाहिए थे। हमने दूसरी पारी में अच्छी बल्लेबाजी की लेकिन उतना अच्छा नहीं खेल सके। कप्तान ने कहा, 'टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय सही था लेकिन हमें अधिक रन बनाने चाहिए थे। हमें कम से कम 400 या 500 रन बनाने चाहिए थे जिससे मुकाबला हमारे पक्ष में हो सकता था। हम मौके को इतनी अच्छी तरह से पकड़ नहीं सके लेकिन बल्लेबाजों के लिए।

इंग्लैंड को हराकर वेस्टइंडीज ने बरकरार रखा रिकॉर्ड, 61 में से 55 बार दर्ज की है जीत

साउथम्पटन ।

वेस्टइंडीज ने 200 या उससे कम के लक्ष्य का पीछा करने में अपना अपराजेय रिकॉर्ड बरकरार रखा है। विंडीज ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में रविवार को 200 रन के लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा करते हुए 4 विकेट से जीत हासिल की और तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। वेस्टइंडीज के टेस्ट इतिहास में यह 61वां मौका था जब उसे जीत के लिए 200 रन या उससे कम का लक्ष्य मिला। इन 61 मौकों में वेस्ट इंडीज ने 55 बार जीत हासिल की है और छह मौकों पर टेस्ट ड्रा रहे हैं। वेस्ट इंडीज ने इंग्लैंड में 20 साल बाद सीरीज के पहले टेस्ट में जीत हासिल की है। इससे पहले वर्ष 2000 में वेस्ट इंडीज ने इंग्लैंड में सीरीज का पहला टेस्ट पारी और 93 रन से जीता था लेकिन वह सीरीज उसे 1-3 से गंवानी पड़ी थी। जैसन होल्डर की कप्तानी में वेस्ट इंडीज की 33 टेस्टों में यह 11वीं जीत है और वह लीजेंड ब्रायन लारा को पीछे छोड़कर विंडीज के संयुक्त रूप से तीसरे सबसे सफल कप्तान बन गए हैं। होल्डर अब रिची रिचडर्सन की बराबरी पर आ गए जिन्होंने अपने कप्तानी में 24 टेस्टों में 11 टेस्ट जीते हैं। लारा ने अपनी कप्तानी में 47 टेस्टों में 10 टेस्ट जीते थे।

होल्डर से आगे विवियन रिचर्ड्स और क्लाइव लॉयड हैं। विवियन रिचर्ड्स ने 50 टेस्टों में 27 टेस्ट और क्लाइव लॉयड ने 74 टेस्टों में 36 टेस्ट जीते हैं। जिन्होंने अपने कप्तानी में 24 टेस्टों में 11 टेस्ट जीते हैं। लारा ने अपनी कप्तानी में 47 टेस्टों में 10 टेस्ट जीते थे।

होल्डर से आगे विवियन रिचर्ड्स और क्लाइव लॉयड हैं। विवियन रिचर्ड्स ने 50 टेस्टों में 27 टेस्ट और क्लाइव लॉयड ने 74 टेस्टों में 36 टेस्ट जीते हैं।

संक्षिप्त समाचार

उमर अकमल की बैन के खिलाफ अपील पर न्यायाधीश ने फैसला सुरक्षित रखा

लाहौर । पाकिस्तान के क्रिकेटर उमर अकमल की तीन साल के प्रतिबंध के खिलाफ की गई अपील की सुनवाई कर रहे स्वतंत्र न्यायाधीश ने सोमवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। अकमल को पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) टी20 प्रतियोगिता से जुड़े सट्टेबाजी के लिए संपर्क किए जाने की जानकारी नहीं देने का दोषी पाया गया था। इस साल अप्रैल में उन्हें तीन साल के लिए प्रतिबंधित किया गया था। उन पर सुनवाई के दौरान सहयोग ना करने का भी आरोप लगा था। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) से जारी मीडिया विज्ञप्ति के मुताबिक , 'पाकिस्तान के सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) फकीर मुहम्मद खोखर ने एक स्वतंत्र न्यायाधीश के तौर पर उमर अकमल की अपील पर आज दोनों पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। बोर्ड ने इसके साथ ही कहा कि वह इस मामले पर कोई और टिप्पणी नहीं करेंगे। पीएसएल के शुरु होने से पहले अकमल को दो अलग-अलग पार्टियों में स्पॉट फिक्सिंग का प्रस्ताव मिला था। अकमल के द्वारा इससे जुड़ी जानकारी को पीसीबी से साझा नहीं करने पर उन्हें फरवरी में अस्थायी तौर पर निलंबित किया गया था। इसके बाद अनुशासनात्मक सुनवाई के बाद उन पर तीन साल का प्रतिबंध लगा है। पाकिस्तान के पूर्व विकेटकीपर कामरान अकमल के छोटे भाई उमर अकमल ने 16 टेस्ट, 84 टी20 अंतरराष्ट्रीय और 121 एकदिवसीय खेले है। वह टीम के मौजूदा कप्तान बाबर आजम के भी रिश्तेदार है। अकमल पाकिस्तान के लिए आखिरी बार अक्टूबर 2019 में श्रीलंका के खिलाफ टी20 श्रृंखला के लिए मैदान में उतरे थे।

मैनचेस्टर सिटी पर चैंपियन्स लीग में खेलने का 2 साल का प्रतिबंध हटा

जेनेवा ।

खेल पंचाट ने मैनचेस्टर सिटी पर चैंपियन्स लीग में भाग लेने पर लगाए गए 2 साल के प्रतिबंध को सोमवार को हटा दिया। खेल पंचाट ने यूरोपीय फुटबॉल की संचालन संस्था यूएफा के प्रतिबंध के खिलाफ टीम की अपील को बरकरार रखा लेकिन जांचकर्ताओं के साथ सहयोग करने में विफल रहने पर उस पर 10 मिलियन यूरो (85 करोड़ रूपये से ज्यादा) का जुर्माना लगाया। तीन न्यायाधीशों के पैनल ने कोच पेप गार्डियोला की टीम को अगले सत्र में चैंपियंस लीग के ग्रुप चरण में खेलने की अनुमति दे दी है। इस फैसले से मौजूदा सत्र की प्रतियोगिता में सिटी का स्थान प्रभावित नहीं होगा। टूर्नामेंट अगले महीने शुरू होगा। सिटी के हक में फैसला जाने से वह अगले सत्र में यूएफा पुरस्कार राशि में दस लाख डॉलर (लगभग 75 करोड़ रूपए) का हकदार होगा। यूएफा ने क्लब के वित्तीय मामलों से जुड़े निगरानी के नियमों में 'गंभीर उल्लंघनों का आरोप लगाते हुए फरवरी में मैनचेस्टर सिटी को प्रतिबंधित किया था। क्लब पर जांचकर्ताओं के साथ सहयोग करने में विफल रहने का भी आरोप है। आरोप है कि अबूधाबी के शाही परिवार के स्वामित्व वाली सिटी की टीम ने वित्तीय नियमों को लेकर कई वर्षों तक यूएफा को गुमराह किया, जिसे 'फाइनेंशियल फेयर प्ले के रूप में जाना जाता है। यह यूरोपीय क्लब प्रतियोगिताओं में प्रवेश करने के लिए जरूरी है। मैनचेस्टर सिटी ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा था कि उसके पास 'पुख्ता सबूत है कि उस पर लगाये गये आरोप सही नहीं हैं। मैनचेस्टर सिटी क्लब अभी इंग्लिश प्रीमियर लीग में दूसरे स्थान पर चल रहा है।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ने कहा- सौरव को अगर छेड़ा तो करारा जवाब जरूर मिलेगा

स्पोर्ट्स डेस्क । दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ ने भारतीय क्रिकेट में बदलाव लाने के लिए सौरव गांगुली की तारीफ की। स्मिथ ने कहा कि गांगुली हमेशा ऐसे खिलाड़ी रहे हैं कि अगर आप उन्हें छेड़ेंगे, तो फिर आपको जवाब के लिए तैयार रहना होगा। स्मिथ ने स्टार स्पोर्ट्स के शो क्रिकेट कनेक्टेड में यह बात कही। उन्होंने कहा कि मैं दादा के साथ लंबा वक्त बिता चुका हूं। खासतौर पर बतौर क्रिकेट एडमिनिस्ट्रेटर। हमारी अक्सर फोन पर बात होती है। उनसे बात करना बहुत आसान है, वह हमेशा शांत रहते हैं और खेल की बेहतरी को लेकर अक्सर बात करने को तैयार रहते हैं। स्मिथ ने इस शो पर 2002 के नैटवेस्ट ट्रॉफी का फाइनल जीतने के बाद गांगुली के जश्न को याद करते हुए कहा कि मझे भी उनका लॉर्ड्स की बालकनी में जर्सी उतारकर लहराना याद है। यह वाकई खूबसूरत नजारा था। उन्होंने बिना डरे टीम की कप्तानी की। गांगुली की अगुआई में ही टीम इंडिया में लड़ने का जज्बा पैदा हुआ। उन्होंने आगे कहा है कि मैदान पर उनके इस बर्ताव ने दिखाया कि वे(गांगुली) किसी दबाव में नहीं आते हैं। लॉर्ड्स में टी-शर्ट लहराने से अंदाजा लगाया जा सकता है कि उनके लिए वो जीत कितनी अहम थी। स्मिथ 2003 में 22 साल की उम्र में दक्षिण अफ्रीका में सबसे कम उम्र के कप्तान बने थे। उस वक्त गांगुली भी भारतीय टीम के कप्तान थे। लेकिन दोनों का सामना बहुत कम ही हुआ। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ने खुलासा किया कि कुछ मौकों को छोड़ दें, तो हमारे रिश्ते अच्छे ही रहे हैं लेकिन दोनों का सामना बहुत कम ही हुआ। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ने खुलासा किया कि कुछ मौकों को छोड़ दें, तो हमारे रिश्ते अच्छे ही रहे हैं और कभी बात हाथ से नहीं निकली और गांगुली ने उन्हें कभी टॉस के लिए भी इंतजार नहीं कराया। जैसा कि पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्टीव वॉ के साथ हुआ था।

पहला टेस्ट हारने पर इंग्लैंड टीम पर भड़का पूर्व कप्तान

साउथम्पटन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने कहा कि वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में कार्यवाहक कप्तान बेन स्टोक्स के फैसले पर सवाल उठाने के बाद भी टीम के लिए बल्लेबाजी 'सरदर्द बनी हुई है। जर्मेन ब्लैकवुड की शानदार बल्लेबाजी से वेस्टइंडीज ने चार विकेट की यादगार जीत दर्ज कर तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त कायम कर ली। अनुभवी स्टुअर्ड ब्रॉड को टीम में शामिल नहीं करने पर मैच से पहले ही इस फैसले पर सवाल उठने लगे थे। हुसैन ने एक चैनल पर बातचीत के दौरान कहा, 'ब्रॉड के मुद्दे या टॉस जीत कर बल्लेबाजी के फैसले पर ध्यान नहीं भटकाइए। इंग्लैंड की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 204 रन पर आउट हो गई। यह अब भी उनकी लिए सरदर्द की तरह है। उन्होंने कहा, 'टीम ने दक्षिण अफ्रीका में अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन यहां इंग्लैंड में ड्यूक गेंद से वह पारी की शुरुआत में लड़खड़ा गए और रूट की गैरमौजूदगी में यह किसी बुरे सपने की तरह था। इंग्लैंड के लिए यह अब भी अहम मामला है। इंग्लैंड की पहली पारी 204 रन पर सिमट गई थी। दोनों टीमें यहां से मैनचेस्टर रवाना होगी जहां तीन मैचों की श्रृंखला का दूसरा मुकाबला गुरुवार से खेला जाना है। हुसैन का मानना है कि इंग्लैंड को श्रृंखला जीतने के लिए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ किए गए बल्लेबाजी प्रदर्शन को दोहराना होगा। उन्होंने कहा, ओल्ड ट्रैफर्ड में उन्हें अच्छी पिच मिलेगी।

न्यूजीलैंड के क्रिकेटर्स इस हफ्ते से हाई परफॉर्मेंस सेंटर में ट्रेनिंग शुरू करेंगे

पिछले महीने कोरोना फ्री होने के बाद न्यूजीलैंड में क्रिकेट की वापसी की उम्मीदें जग गईं हैं। देश के टॉप क्रिकेटर्स इस हफ्ते से हाई परफॉर्मेंस सेंटर में ट्रेनिंग शुरू कर देंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने सोमवार को एक बयान जारी यह जानकारी दी। बोर्ड अगले कुछ महीनों में मेल और फीमेल दोनों क्रिकेटर्स के लिए 6 नेशनल कैम्प लगाएगा। इस हफ्ते ब्लैककैप्स (पुरुष टीम) टीम केंटरबरी में ट्रेनिंग शुरू करेगी, जबकि दूसरा कैम्प 19 जुलाई से बे ओवल में शुरू होगा। इस बीच, महिला टीम ने सोमवार से लिंकन के हाई परफॉर्मेंट ट्रेनिंग सेंटर में प्रैक्टिस शुरू कर दी। लॉकडाउन के बाद यह पहला क्रिकेट कैम्प है। न्यूजीलैंड पिछले महीने 8 जून को कोरोना मुक्त होने वाला दुनिया का पहला देश बना था। खुद प्रधानमंत्री जेसिंडा अर्डन ने इसका ऐलान किया था। तब जेसिंडा ने कहा था कि मुझे अपने देश और यहां के लोगों पर गर्व है। हमने एक बेहद मुश्किल जंग को मिलकर जीता। न्यूजीलैंड की आबादी 50 लाख से भी कम है। फरवरी के आखिर में यहां कोरोना की आहट सुनाई दी। सरकार ने मेडिकल एक्सपर्ट्स के साथ मिलकर 4 सूत्रीय कार्यक्रम बनाया। इस पर सख्ती से अमल का फैसला किया गया। 7 हफ्ते का सख्त लॉकडाउन रहा। हर हफ्ते समीक्षा भी की गई। देश में कुल 1154 मामले सामने आए, जबकि 22 लोगों की मौत हुई। करीब तीन लाख लोगों का टेस्ट हुआ था। इसके बाद देश में स्पोर्ट्स इवेंट भी शुरू हो गए हैं। पिछले महीने 13 जून को यहां सुपर रग्बी लीग में ऑकलैंड ब्लूज और वेलिंग्टन हरीकेंस का मुकाबला हुआ था, जिसमें ब्लूज ने जीत दर्ज की थी। ईडन पार्क में हुए इस मैच को देखने के लिए 43 हजार फैंस पहुंचे थे।

मैंने सरदार सिंह को देखकर ही सीखा: विशाल अंतिल

नई दिल्ली ।

टीम इंडिया के मिडफील्डर विशाल अंतिल का कहना है कि उन्होंने अपने करियर में सरदार सिंह को देखकर ही बहुत कुछ सीखा। अंतिल जिस स्टेडियम में जूनियर कैंप लगाते थे वहीं, सरदार ट्रेनिंग किया करते थे। उनके बारे में विशाल ने कहा- आपको वास्तव में सीखने के लिए उसके साथ बातचीत करने की ज़रूरत नहीं है। बस उनके दिनचर्या को देखते जाएं। वह अनुशासित और केंद्रित रहते हैं। उन्होंने कभी भी बाहर के कारकों को मानसिक रूप से प्रभावित नहीं होने दिया। उन्होंने हमेशा अपने शरीर का ध्यान रखा। कहते हैं कि उनके कमरे में रोज रात 9.30 बजे बिजली बंद हो जाती थी। यही तो एक महान खिलाड़ी के गुण हैं। मलेशिया में खेले गए सुलतान जोहूर कप में ब्रॉन्ज और सिल्वर मेडल विजेता विशाल ने कहा- राष्ट्रीय टीम में एक जूनियर खिलाड़ी के तौर पर सरदार से सीखने के लिए बहुत कुछ था। हालांकि मुझे उनके साथ बातचीत करने का साहस नहीं मिला या मुझे हमेशा उनसे बात करने के लिए साहस चाहिए, लेकिन मैं हमेशा उन्हें देखता रहूंगा जैसे मैं हमेशा देखता रहूंगा। उनका अनुशासन पॉजीटिव होता है। विशाल ने कहा- एशिया कप जीतना और जूनियर विश्व कप के लिए बर्थ हासिल करना आत्मविश्वास की बात होगी। जूनियर विश्व कप में जाने के लिए कॉन्टिनेंटल चैंपियंस आदर्श होगा। जब इवेंट रीशेड्यूल होगा तो हम इस उपलब्धि को हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे। वर्तमान में मैं सोनीपत में सुमित (सीनियर कोर ग्रुप से मिड-फील्डर) के साथ प्रशिक्षण ले रहा हूं, लेकिन मैं निश्चित रूप से एसएआई, बेंगलुरु में वापसी करूंगा और अपनी टीम के साथ प्रशिक्षण शुरू करूंगा। विशाल ने कहा- अगले 18 महीने जूनियर विश्व कप के लिए महत्वपूर्ण है, हालांकि मैं विश्व कप के लिए आयु वर्ग में नहीं आता, जब एक बार घटना आती है, तो मैं टीम में योगदान करना चाहता हूं जो भी हो कर सकते हैं।

दिग्गज हॉकी खिलाड़ी अशोक कुमार को मोहन बागान 'लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार

कोलकाता । हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के बेटे और भारत की 1975 विश्व कप जीत के नायकों में शामिज अशोक कुमार को मोहन बागान फुटबॉल क्लब के स्थापना दिवस पर आयोजित समारोह में 'लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। कोविड-19 महामारी की मौजूदा स्थिति को देखते हुए इस कार्यक्रम का आयोजन ऑनलाइन होगा। मोहन बागान दिवस हर साल 29 जुलाई को मनाया जाता है। मोहन बागान ने 1911 में इसी दिन आईएफए शील्ड में ईस्ट यॉर्कशायर रेजिमेंट को 2-1 से हराया था। वह खिताब जीतने वाली पहला भारतीय क्लब बना था । मोहन बागान के महासचिव श्रींजय बोस ने एक बयान में कहा, ''हम पुरस्कार की प्रस्तुति और उनके व्यक्तिगत संदेशों को भी रिकॉर्ड करेंगे जिसे हमारे सोशल मीडिया मंचों पर साझा किया जाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अमेरिकी नौसेना के विमान वाहक पोत बोनहोमे रिचर्ड में लगी आग, 21 लोग घायल

मॉस्को (एजेंसी)। अमेरिका के कैलीफोर्निया में नौसेना के सैन डिएगो बेस पर तैनात यूएसएस बोनहोमे रिचर्ड पर आग लगने से कम से कम 21 लोग घायल हो गए है। नौसेना के जमीनी बलों ने रविवार को ट्वीट कर जारी बयान में कहा, ''एक स्थानीय अस्पताल में सत्रह सैनिकों और चार नागरिकों का इलाज किया जा रहा है। वे सभी खतरे से बाहर है। जहाज पर सभी के साथ संपर्क किया गया और अग्निशमन दलों को आग बुझाने में मदद करने के निर्देश दिए गए है। इससे पहले नौसेना की रिपोर्ट में बताया गया था कि मामूली रूप से घायल 18 सैनिकों को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल भेजा गया है। आग रविवार को स्थानीय समयानुसार करीब 8: 30 बजे लगी। नौसेना के अनुसार सैन डिएगो बेस पर तैनात दो अन्य जहाज मिसाइल विध्वंसक यूएसएस फिट्जगेराल्ड और यूएसएस रसेल को आग से दूर ले जाने के निर्देश दिए है। यूएसएस बोनहोमे रिचर्ड पर कुल 160 नौसैनिक सवार थे। नियमित रखरखाव के दौरान जहाज पर आग लगी। जहाज पर चालक दल की संख्या करीब 1,000 है। नौसेना ने कहा कि रविवार को जहाज पर सवार सभी नाविकों को हटा दिया गया है। यूएसएस बोनहोमे पर आग के कारणों की जांच की जा रही है। स्थानीय मीडिया के अनुसार जहाज पर विस्फोट हुआ था।

अमेरिका में सिख समुदाय ने पंजाब के विकास के लिए काम करने की प्रतिबद्धता जताई

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में सिख समुदाय ने पंजाब के विकास, खासकर शिक्षा एवं पर्यावरण के क्षेत्र में काम करने की प्रतिबद्धता जताई है। उन्होंने अपनी समस्याओं के समाधान में यहां भारतीय दूतावास के प्रयासों की सराहना की। प्रमुख सिख अमेरिकी कारोबारी गैरी ग्रेवाल ने अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू के साथ पिछले हफ्ते हुई समुदाय की पहली डिजिटल बैठक के बाद 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि अमेरिका के सिख पंजाब के विकास में निवेश करने के इच्छुक हैं। देश के करीब 100 प्रमुख सिख नेताओं ने संधू के साथ इस डिजिटल बैठक में हिस्सा लिया था जिसे समुदाय के साथ संपर्क करने के उनके प्रयासों के तहत आयोजित किया गया था। ग्रेवाल ने कहा, उन्होंने हमें कई अच्छी चीजें करने के लिए प्रोत्साहित किया। ईश्वर की यहां हम पर कृपा है, हमें उसे दूसरों के साथ साझा करना चाहिए... विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति की पेशकश करनी चाहिए। हर कोई (सिख समुदाय से) बैठक में शामिल होकर बहुत खुश था। इस दौरान बहुत से विचार साझा किए गए। उन्होंने यह भी बताया कि समुदाय के कई सदस्यों ने पाकिस्तान के साथ करतारपुर गलियारा फिर से खोले जाने पर भी चर्चा की इकोसिख के अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय सिख अभियान के सह-संस्थापक डॉ राजवंत सिंह ने कहा, संवाद के लिए सिख समुदाय के सदस्यों को आमंत्रित किया मैं इसकी प्रशंसा करता हूं कि राजदूत संधू ने इस संवाद के लिए सिख समुदाय के सदस्यों को आमंत्रित किया और इस बातचीत के दौरान दिए गए सुझाव पंजाब में युवा पीढ़ी की बेहतरी के लिए सकारात्मक योगदान देने की दिशा में कई लोगों को काम करने के लिए प्रेरित करेंगे। उन्होंने कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि विशाल पंजाबी एवं सिख प्रवासी समुदाय पंजाब के पुनर्निर्माण और राज्य के लिए उज्ज्वल भविष्य बनाने में व्यस्त है।

अमेरिका में स्कूल खोलने को लेकर बोलीं नेंसी पेलोसी- बढ़ेगा कोविड-19 फैलने का खतरा

वाशिंगटन(एजेंसी)। अमेरिकी संसद की प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नेंसी पेलोसी ने कोरोना वायरस संकट के दौरान स्कूलों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों को खोलने के ट्रंप प्रशासन के निर्णय का रविवार को विरोध किया।पेलोसी ने कहा कि कक्षाओं को पुनः शुरू करने से बीमारी फैलने का खतरा बढ़ सकता है। कुछ दिन पहले ही राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि वह स्कूलों को खोलने के लिए राज्यों पर दबाव बनाएंगे। पेलोसी ने कहा, स्कूलों को दोबारा खोलने से कोरोना वायरस के फैलने का खतरा बढ़ सकता है। वे स्कूल खोलने के लिए विज्ञान और शासन व्यवस्था की अनदेखी कर रहे हैं। यदि सीडीसी के दिशा निर्देश हैं तो उनका पालन किया जाना चाहिए। हालांकि शिक्षा सचिव बेट्सी डेवोस ने कहा कि बच्चों को स्कूल भेजना आवश्यक है। डेवोस ने कहा, हम जानते हैं कि बच्चों के लिए स्कूल जाना, सीखना, शिक्षकों के साथ रहना वास्तव में जरूरी है। पूरी तरह से स्कूल खोलने का अर्थ है कि बच्चे वापस आएंगे और अगर चार परिवार अपने बच्चों को सप्ताह में पांच दिन स्कूल भेजना चाहते हैं तो यही एक उपाय है। उन्होंने कहा, मुद्दा यह है कि बच्चे फिर से पूरी तरह पढ़ाई और सीखना कब से शुरू करें और हम यह कैसे सुनिश्चित करें कि उनकी सालभर की पूरी पढ़ाई का नुकसान न हो? हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि जब भी संभव हो और जैसे भी संभव हो वे कक्षा में वापस आएं और पढ़ाई पूरी तरह चालू हो। पेलोसी ने कहा कि डेवोस की टिप्पणी गलत है और अपनी जिम्मेदारी से बचने के लिए की गई है। उन्होंने कहा, हम सभी चाहते हैं कि हमारे बच्चे स्कूल जाएं। शिक्षक, बच्चे और माता पिता भी चाहते हैं। लेकिन उन्हें सुरक्षित माहौल में जाना चाहिए। प्रशासन को अपनी विफलताओं का कोई मलाल नहीं है जिसके कारण स्थिति यहां तक पहुंची है।

चीन के खिलाफ खुद को मजबूती से पेश करने में जुटे ट्रंप, बाइडेन

वाशिंगटन(एजेंसी)। अमेरिका में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए चीन एक शीर्ष चुनावी मुद्दा बनकर उभरा है। ऐसे में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेट जो बाइडेन चीन के खिलाफ जुबानी जंग में एक-दूसरे को पछाड़ने में लगे हुए हैं। दोनों ही यह दर्शाना चाहते है कि वे चीन संबंधित मामलों में बेहतर तरीके से निपट सकते हैं। ट्रंप के चुनावी अभियान प्रबंधकों ने इस तरह के विज्ञापन निकाले हैं, जिनमें बाइडेन चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग की आवभगत में लगे हुए हैं। वहीं, दूसरी तरफ बाइडेन के चुनावी अभियान की ओर से ट्रंप को कोरोना वायरस को हल्के में लेते हुए महामारी के बारे में पारदर्शी रहने को लेकर चिनफिंग की सराहना करते हुए दिखाया गया है। जबकि, यह स्पष्ट है कि चीन ने महामारी के बारे में दुनिया के सामने विवरण देर से साझा किए। विज्ञापनों की समीक्षा करने वाले रिपब्लिकन पोल्स्टर फ्रैंक ने कहा, मुझे लगता है कि काटे का टक्कर होगा लेकिन मुझे नहीं पता कि इसका फायदा किसे मिलने जा रहा है? फ्रैंक का मानना है कि आने वाले राष्ट्रपति चुनाव में अर्थव्यवस्था और कोरोना वायरस से निपटने के कदमों के साथ ही चीन तीसरा सबसे बड़ा चुनावी मुद्दा है। मतदाताओं के बीच यह भी चर्चा का विषय रहेगा कि चीन के अनुचित व्यापार व्यवहार, बढ़ती बौद्धिक नाराजगी और मानवाधिकार उल्लंघन के खिलाफ ट्रंप अथवा बाइडेन कौन सबसे मजबूत तरीके से अमेरिका को पेश कर सकता है? उन्होंने कहा, जो व्यक्ति चीनी नेताओं के अधीन नजर आएगा, चुनाव में वह सबसे ज्यादा नुकसान में रहेगा। अमेरिका में कोरोना वायरस फैलने के बाद किए गए एक सर्वे में अमेरिकी नागरिकों का गुस्सा उभर कर चीन के खिलाफ सामने आया था।

संक्षिप्त समाचार

कोरोना को मजाक समझ रहा था शख्स, धूमधाम से की कोविड-19 पार्टी और फिर हो गई मौत

लंदन। कोरोना का खौफ पूरी दुनिया में कम होने का नाम नहीं ले रहा है। दुनिया में अबतक 215 देशों में इस वायरस की आतंक मचा दिया है। वर्ल्डोमीटर के मुताबिक, दुनिया में कोरोना से अबतक 1 करोड़ 30 लाख 34 हजार से ज्यादा लोग संक्रमित हैं वहीं इस खतरनाक वायरस के कारण अबतक 5 लाख 71 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चकी है, इसी बीच राहत की खबर है कि 75 लाख 81 हजार से ज्यादा लोग ठीक भी हो चुके हैं। वहीं अमेरिका के सैन अंटोनियो में चौंका देने वाला मामला देखने को मिला जहां कोरोना को मजाक समझना एक शख्स को भारी पड़ गया और जान देकर इसकी कीमत चुकानी पड़ी। दरअसल टेक्सास का व्यक्ति ने कोरोना वायरस को हल्के में लेकर उसे सिर्फ मजाक के तौर पर लिया और इस वायरस से संक्रमित अपने दोस्त की कोविड-19 पार्टी में पहुंच गया। पार्टी के बाद अचानक उसकी तबीयत खराब हो गई जिसके बाद उसे अस्पताल दाखिल कराया गया जहां उसकी मौत हो गई। उसकी मौत के मामले में मेथाडिस्ट हॉस्पिटल की सीएमओ जेन ऐप्पलबी ने बताया कि किसी व्यक्ति को टेस्ट के बाद उसके कोरोना वायरस संक्रमित होने की जानकारी मिली थी। इसके बाद उसने एक पार्टी का आयोजन किया। वह देखना चाहता था कि उसके दोस्तों को कोरोना वायरस संक्रमण होता या नहीं और वे उसे कैसे मात देते हैं। जेन के अनुसार मरने वाले व्यक्ति ने कहा था कि उसे कोरोना को हल्के में नहीं लेना चाहिए था। इस घटना के बाद सभी लोगों में दहशत का माहौल है।

स्टील स्ट्रिप्स व्हील्स को यूरोप, अमेरिका से 1.78 लाख यूरो का आर्डर प्राप्त

नयी दिल्ली। आटो कलपुर्जे बनाने वाली कंपनी स्टील स्ट्रिप्स ने सोमवार को कहा कि उसे यूरोपीय संघ (ईयू) और अमेरिकी बाजार से 1,78,000 यूरो (1.51 करोड़ रुपये) का आर्डर प्राप्त हुआ है। शेयर बाजार को भेजी नियामकीय सूचना में स्टील स्ट्रिप्स व्हील्स लिमिटेड (एसएसडब्ल्यूएल) ने कहा है कि उसे यूरोपीय संघ और अमेरिका से ट्रक और बड़ी ट्रेलर गाड़ी के लिये नये आर्डर प्राप्त हुये हैं। यह आर्डर 16,000 स्टील पहियों के लिये है जिनकी आपूर्ति उसके चेनई कारखाने से अगस्त माह में की जानी है। कंपनी ने कहा है कि इस आर्डर से उसे कुल मिलाकर 1,78,000 यूरो (1.51 करोड़ रुपये) का राजस्व प्राप्त होगा। इस तरह के बार बार मिलने वाले आर्डर और ग्राहकों से प्राप्त अनुमानों के मुताबिक एसएसडब्ल्यूएल चालू वित्त वर्ष के दौरान निर्यात कारोबार के क्षेत्र में साल दर साल आधार पर 25 प्रतिशत तक की वृद्धि हासिल करने के रास्ते पर बढ़ रही है। कंपनी को इससे पिछले सप्ताह ही यूरोपीय बाजार से मिश्रधातु से बने पहियों के पहली बार मिले आर्डर के साथ ही 1,40,000 डालर का आर्डर प्राप्त हुआ है। कंपनी को अमेरिका से भी 1.19 लाख व्हील्स के लिये 10 लाख डालर का आर्डर प्राप्त हो चुका है।

चीन में बाढ़ का कहर, अब तक 141 लोगों की मौत

बीजिंग। चीन के विभिन्न क्षेत्रों में आई बाढ़ से 141 लोग की मौत हो गई और कई लोग लापता हो गए है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी है। देश के बाढ़ नियंत्रण और सुखा राहत कार्यालय ने एक बयान में कहा,''12 जुलाई तक जियांग्शी, अनहुई, हुबेई, और हुनान के प्रांतों सहित 27 क्षेत्रों में बाढ़ के कारण 37.9 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। बाढ़ के कारण 141 लोग की मौत हो गई और कई अन्य लापता है तथा 2.25 लाख लोगों को बचाया गया है। उन्होंने कहा कि कई सप्ताह हो रही मूसलाधार बारिश से यांग्त्जी सहित कई नदियों में बाढ़ आ गई है। उन्होंने कहा कि बाढ़ से 28,000 से अधिक इमारतें नष्ट हो गई है और करीब 11.7 करोड़ का नुकसान हुआ है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने नागरिकों से की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी जरुरी सावधानी बरतने का आह्वान किया है।

प्रवासी भारतीयों ने लंदन में चीनी दूतावास के सामने किया चीन की विस्तारवादी नीति का विरोध

लंदन। लंदन में रविवार को प्रवासी भारतीयों ने चीनी दूतावास के बाहर एकत्र होकर भारतीय सीमा पर चीन की विस्तारवादी नीति के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन किया। ओवरसीज फ्रैंड ऑफ बीजेपी के नेतृत्व में एकत्र हुए लोगों ने हाथों में तिरंगा लिया हुआ था। प्रदर्शनकारियों ने तख्तियां ली हुई थीं, जिन पर चीन वापस जाओ और तिब्बत चीन का हिस्सा नहीं है। लिखा हुआ था। समूह के अध्यक्ष कुलदीप शेखावत ने कहा, यह प्रदर्शन प्रवासी भारतीयों द्वारा चीन की विस्तारवादी नीतियों की ओर ध्यान आकर्षित करने का एक प्रयास है। साथ ही चीनी सीमा पर तैनात अपने सुरक्षा बलों के साथ एकजुटता प्रदर्शित करना है।

चीन में बाढ़ से मौत या लापता होने वालों की संख्या 141 हुई

बीजिंग। चीन में पिछले महीने आई बाढ़ की वजह से अब तक 140 से ज्यादा लोगों की या मौत हो गई है या वे लापता हैं। अब तक कुल 3.7 करोड़ से ज्यादा लोग इससे प्रभावित हैं और 28,000 घरों को क्षति पहुंची है। चीन में राज्य बाढ़ नियंत्रण एवं सूखा राहत मुख्यालयों ने बाढ़ आपात प्रतिक्रिया को रविवार को तीसरे स्तर से दूसरे पर कर दिया। देश के बड़े हिस्से में लगातार बारिश जारी है। सरकारी सीजीटीएन टीवी ने जल संसाधन मंत्रालय को उद्धृत करते हुए बताया कि अब तक 2.24 लाख लोगों को दूसरे स्थानों पर भेजा गया है क्योंकि 433 नदियों में जलस्तर बढ़ने की वजह से चीन 'भयानक बाढ़' का सामना कर रहा है। इसने बताया कि 27 प्रांतों, स्वायत्त क्षेत्रों और नगर इकाईयों के 3.7 करोड़ लोग इस बाढ़ से प्रभावित हैं। वहीं जून से 141 लोगों की या तो मौत हो चुकी है, या वे लापता हैं। चीन में जून के बाद से अब तक 433 नदियों का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर है और 33 नदियों का जल अभूतपूर्व स्तर पर है।वहीं जून से 141 लोगों की या तो मौत हो चुकी है, या वे लापता हैं। चीन में जून के बाद से अब तक 433 नदियों का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर है और 33 नदियों का जल अभूतपूर्व स्तर पर है।

न्यूजीलैंड क्रपइस्टचर्च मस्जिद गोलीबारी कांडः 51 लोगों का हत्यारा कोर्ट में खुद लड़ेगा अपना केस

वेलिंगटन(एजेंसी)। न्यूजीलैंड की दो मस्जिदों में गोलीबारी करके 51 लोगों की हत्या का दोष स्वीकार करने वाले ऑस्ट्रेलियाई व्यक्ति ने अपने वकीलों की सेवाएं लेने से इनकार कर दिया है और वह अगले महीने सजा सुनाए जाने के दौरान अदालत में अपना प्रतिनिधित्व स्वयं करेगा। श्वेत लोगों को सर्वश्रेष्ठ समझने वाले ब्रेंटन हैरिसन टारंट ने क्राइस्ट चर्च में 2019 में गोलीबारी कर आंतकवादी गतिविधि में शामिल होने, 51 लोगों की हत्या करने और 40 लोगों की हत्या की कोशिश करने का अपराध मार्च में स्वीकार किया था।कोरोना वायरस महामारी की वजह से उसे सजा सुनाने वाली सुनवाई में विलंब हुआ है। अब यह सुनवाई 24 अगस्त को क्राइस्टचर्च में शुरू होगी। तारीख की पुष्टि सोमवार को क्राइस्टचर्च के हाई कोर्ट ने की।टारंट के वकीलों शैन टेट और जोनाथन हडसन ने अदालत को बताया कि टारंट ने उन्हें हटने का निर्देश दिया है क्योंकि वह खुद ही अपना प्रतिनिधित्व करने के अधिकार का इस्तेमाल करना चाहता है। बता दें कि न्यूजीलैंड के क्राइस्टचर्च शहर में ऑस्ट्रेलियाई बंदूकधारी ने 15 मार्च 2019 को 2 मस्जिदों में अंधाधुंध गोलीबारी कर कम से कम 51 लोगों की हत्या कर दी थी। हत्या के इस आरोपी की

जब कोर्ट में पहली पेशी हुई थी तो उसने सबको दंग कर दिया था। दरअसल, अपने इस कृत्य के लिए किसी तरह का पछतावा जताने के बजाए ये व्यक्ति कोर्ट में मुस्कुरा रहा था।

वैज्ञानिकों को मिले पुख्ता सबूतः तेजी से फैल रहा कोरोना का नया रूप, लेकिन नहीं करता बीमार

इंटरनेशनल डेस्क(एजेंसी)। कोरोना वायरस महामारी को लेकर रोजाना कई तरह के महत्वपूर्ण अध्ययन सामने आ रहे हैं। दुनिया भर के वैज्ञानिक इसकी खोज में लगे हुए हैं। एक वैश्विक अध्ययन से इस बात के पुख्ता सबूत मिले हैं कि कोरोना वायरस का एक नया रूप यूरोप से अमेरिका में फैल गया है। शोधकर्ताओं की एक अंतरराष्ट्रीय टीम द्वारा की गई रिसर्च रिपोर्ट के अनुसार वायरस के बदले रूप से लोगों को संक्रमित करने की अधिक संभावना है लेकिन इसमें आए बदलावों के कारण यह पहले की तुलना में लोगों को बीमार नहीं बनाता है। ला जोला इंस्टीट्यूट फॉर इम्यूनोलॉजी और एरोनोवायरस इम्यूनोथेरेपी कंसोर्टियम के एरिका ओल्मन सैफायर, जिन्होंने अध्ययन पर काम किया, ने बताया यह अब लोगों को संक्रमित करने वाला प्रमुख रूप है, जर्नल सेल में प्रकाशित यह अध्ययन, कुछ पुराने कामों पर आधारित है, जो टीम ने पहले वर्ष में एक प्रिप्रिंट सर्वर पर जारी किया था। आनुवंशिक अनुक्रमों पर साझा जानकारी ने संकेत दिया था कि वायरस का एक निश्चित उत्परिवर्ती संस्करण खत्म हो रहा था। अब टीम ने न केवल अधिक आनुवांशिक अनुक्रमों की जांच की है, बल्कि उन्होंने प्रयोगशाला के व्यंजनों में लोगों, जानवरों और कोशिकाओं से जुड़े प्रयोग भी किए हैं, जो उत्परिवर्तित संस्करण को दिखाते हैं कि अन्य संस्करणों की तुलना में अधिक संक्रामक है। इससे पहले वैज्ञानिकों ने दावा किया था कि कोरोना वायरस महामारी का संक्रमण पूरी दुनिया में अभी भी लगातार फैलता ही जा रहा है और उस पर लगाम लगाना नामुमकिन सा हो गया है। भारत में भी पिछले कुछ दिनों से कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में तेजी से बढ़ोत्तरी हुई है और उसे देखते हुए लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है। दुनिया के कई डॉक्टरों और वैज्ञानिकों के द्वारा इस बात पर लगातार सहमति जताने की बात की जा रही थी कि कोरोना वायरस का संक्रमण शायद हवा के जरिए भी फैल रहा है। पहले डब्लूएचओ इस बात को मानने से इनकार कर रहा था लेकिन कुछ विशेष मामलों और इस बात के सबूतों की पुष्टि करने के बाद अब उसने इस बारे में नया बयान जारी किया है, जिसके बारे में आपको जरूर जानना चाहिए। दुनिया के लगभग 32 देशों के वैज्ञानिकों ने पिछले दिनों तेजी से बढ़ रहे संक्रमण के मामले को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन से इस बात के सबूत दिए थे कि कोरोना वायरस हवा के जरिए भी फैल रहा है। इसके साथ ही यह अपील की जा रही कि कोरोना वायरस के संक्रमण फैलने के माध्यम में, हवा को भी शामिल करें। इस पर डब्ल्यूएचओ ने सहमति जताने से इनकार करते हुए कहा था कि बिना इसकी पुष्टि के यह नहीं कहा जा सकता कि कोरोना वायरस हवा के जरिए भी फैल सकता है। जताने से इनकार करते हुए कहा था कि बिना इसकी पुष्टि के यह नहीं कहा जा सकता कि कोरोना वायरस हवा के जरिए भी फैल सकता है।

पाकिस्तान में एक और हिंदू लड़की का अपहरण, जबरन निकाह कराने की तैयारी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में रहने वाले हिंदू, सिख और ईसाई अल्पसंख्यकों पर धार्मिक अत्याचार की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। धर्म परिवर्तन के लिए बदनाम सिंध प्रांत के मीरपुर खास से एक नाबालिग हिंदू लड़की मोमल भील का धार्मिक अतिवादियों ने अपहरण कर लिया है। बताया जा रहा है कि इस लड़की का जबरन धर्म परिवर्तन कर निकाह कराने की तैयारी की जा रही है। वायस ऑफ पाकिस्तान मॉइनरिटी के अनुसार, 12 साल की मोमल भील का कट्टर इस्लामी अतिवादियों ने घर से अपहरण कर लिया। परिवार वालों ने जब पुलिस को सूचना दी तो उन्होंने ने भी कुछ नहीं किया। थक हारकर परिवार अब भगवान भरोसे है क्योंकि इन अतिवादियों के आगे अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय कुछ नहीं कर सकता। अल्पसंख्यकों पर अत्याचार के लिए बदनाम सिंध में यह पहली घटना नहीं है। जून के अंतिम हफ्ते में आई रिपोर्ट के अनुसार, सिंध प्रांत में बड़े स्तर पर हिंदुओं का धर्म परिवर्तन कराकर उन्हें मुस्लिम बनाए जाने का मामला सामने आया था। सिंध के बादिन में 102 हिंदुओं को जबरन इस्लाम कबूल कराया गया। सिंध के बादिन में 102 हिंदुओं को जबरन इस्लाम कबूल कराया गया। हमारे सहयोगी चैनल टाइम्स नाउ के मुताबिक इन लोगों में बच्चे, महिलाएं और पुरुष शामिल थे।

कोविड-19: दक्षिण अफ्रीका में कर्फ्यू का ऐलान, शराब की बिक्री पर फिर प्रतिबंध

जोहानिस्बर्ग(एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने कोविड-19 के बढ़ते मामलों के मद्देनजर देश में जारी आपात स्थिति को 15 अगस्त तक बढ़ाने की घोषणा की है। रामाफोसा ने रात नौ बजे से सुबह चार बजे तक रोजाना कर्फ्यू की घोषणा भी की और चिकित्सा सुविधाओं पर दबाव कम करने के लिए शराब की बिक्री और वितरण पर भी फिर प्रतिबंध लगा दिया। पारिवारिक भेंट और सामाजिक दौरे भी प्रतिबंधित होंगे। हालांकि कोविड-19 से निपटने के लिए बनाई गई पांच स्तरीय रणनीति योजना में कोई बदलाव किए बिना मौजूदा स्थिति को तीसरे स्तर में ही रखा गया है। रामाफोसा ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका में कोविड-19 के अभी 2,76,242 पुष्ट मामले हैं और 4,079 लोगों की इससे जान गई है, जिनमें से एक चौथाई पिछले सप्ताह के हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि रोजाना औसतन 12,000 नए मामले सामने आने आ रहे हैं। उन्होंने कई नागरिकों के मास्क लगाने और सामाजिक दूरी बनाए रखने जैसे एहतियाती नियमों का पालन ना करने को लेकर नाराजगी भी जताई। रामाफोसा ने कहा, ''हम में से कई लगातार लॉकडाउन के नियमों को नजरअंदाज कर रहे हैं। वे दूसरों का सम्मान करने और उनकी रक्षा करने की जिम्मेदारी नहीं समझ रहे।'' उन्होंने कहा, ''वायरस से निपटने के हमारी लड़ाई के बीच कई लोग ऐसे भी हैं जो पार्टी कर रहे हैं, शराब पी रहे हैं और बिना मास्क के भीड़ वाले स्थानों पर जा रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि अंतिम संस्कार में 50 लोगों के जाने की ही अनुमति है लेकिन 1000 से अधिक लोग अंतिम संस्कार में जा रहे हैं और वायरस फैला रहे हैं। राष्ट्रपति ने कहा, ''इसी तरह लापरवाही से वायरस फैलता है।'' राष्ट्रपति ने कहा, ''इसी तरह लापरवाही से वायरस फैलता है।'' उन्होंने वैश्विक महामारी से निपटने के लिए विभिन्न योजनाओं का भी ऐलान किया। इनमें इनमें कोविड--19 परीक्षणों के लिए 48 घंटे का एक 'टर्नअराउंड टाइम', अस्पतालों में बिस्तरों की संख्या में वृद्धि, गैर-आवश्यक उद्देश्यों से ऑक्सीजन की आपूर्ति का विचलन और स्टील तथा मोटर वाहन विनिर्माण संयंत्रों सहित विभिन्न दक्षिण अफ्रीकी संगठनों द्वारा वेंटिलेटर का तेजी से निर्माण शामिल है। देश में मार्च से जारी राष्ट्रव्यापी बंद से शराब पर प्रतिबंध था, जिसे एक जून को हटा दिया गया, जिसके बाद शराब पीकर होने वाली दुर्घटनाओं और हिंसा के कई मामले सामने आने लगे और अस्पतालों पर दबाव बढ़ने लगा। इसे देखते हुए रामाफोसा ने शराब पर फिर से प्रतिबंध लगा दिया है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राजस्थानः पायलट का दांव क्रैश, मीडिया के सामने गहलोत का शक्ति प्रदर्शन, दिखाया विक्ट्री साइन

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

राजस्थान में उठे सियासी तूफान के बीच सोमवार को बड़ा उलट-पलट देखने को मिला। अशोक गहलोत के समर्थन में 102 विधायक सीएम आवास पर पहुंचने का दावा किया गया। इतना ही नहीं सीएम अशोक गहलोत ने मीडिया के सामने शक्ति प्रदर्शन भी किया और समर्थकों के साथ विक्ट्री साइन दिखाया। आज गहलोत के घर पर विधायक बैठक में मौजूद रहे। राजस्थान में गहलोत सरकार पर कोई संकट नहीं इस दावे के बाद अब राजस्थान में पायलट अकेले पड़ते दिख रहे हैं। दरअ,ल पायलट के करीबी राहुल वोहरा भी बैठक में मौजूद रहे। बता दें कि कांग्रेस विधायक दल की बैठक से पहले कांग्रेस ऑफिस से सचिन पायलट की तस्वीर और पोस्टर हटा दिए गए। कांग्रेस की ओर से इससे पहले रविवार रात को व्हिप जारी किया गया था कि जो भी इस बैठक में नहीं आएगा, उसपर कड़ा एक्शन लिया जाएगा। कहा जा रहा था कि सचिन पायलट के समर्थन में करीब 25 से 30 विधायक हैं लेकिन जब सोमवार को बैठक शुरू हुई तो उन 30 विधायकों में चार विधायक भी कांग्रेस की बैठक में पहुंचे हैं। राजस्थान विधानसभा में उप मुख्य सचेतक महेंद्र चौधरी ने संवाददाताओं से कहा कि राज्य की अशोक गहलोत सरकार को कोई दिक्कत नहीं होगी और भाजपा के किसी भी तरह के मंसूबे राज्य में कामयाब नहीं होंगे। विधायक दल बैठक में सीएम अशोक गहलोत ने दिखाया विक्ट्री साइन। बोले, मेरे पास 200 में से 200 नंबर। बैठक में के सी वेणुगोपाल, रणदीप सुरजेवाला और अजय माकन भी मौजूद रहे। सचिन पायलट समेत सभी विधायकों के लिए कांग्रेस के दरवाजे खुले हैं और हमेशा खुले रहेंगे, सभी बैठक मेंजरूर आएं-रणदीप सुरजेवाला रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि मैं सोनिया गांधी की तरफ से बोल रहा हूं, सचिन अपने मन की बात हमसे खुलकर कहें। करीब 10 निर्दलीय विधायक भी बैठक में पहुंचे। सचिन पायलट के करीबी माने जा रहे दानिश अबरार भी अशोक गहलोत की बैठक में पहुंचे। निर्दलीय विधायक रमिला खड़िया की बैठक में शामिल नहीं होंगी। रमिला का कहना है कि उनके पति की पुण्यतिथि है लेकिन उनका समर्थन अशोक गहलोत के साथ है।

उनके पति की पुण्यतिथि है लेकिन उनका समर्थन अशोक गहलोत के साथ है।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस कार्यालय के दरवाजे पायलट के लिए बंद! हटा दिए गए पोस्टर

नेशनल डेस्क। राजस्थान में तेजी से बदलते राजनीतिक घटनाक्रम के बीच सोमवार दोपहर तक बड़ी संख्या में विधायक मुख्यमंत्री निवास पर जुटे। वहीं, कांग्रेस प्रदेश कार्यालय के बाहर लगे प्रदेशाध्यक्ष सचिन पायलट के पोस्टर कुछ लोगों ने हटा दिए। हालांकि पार्टी की ओर से इस बारे में कुछ नहीं कहा गया है। कांग्रेस विधायक दल की बैठक सोमवार सुबह साढ़े दस बजे होनी थी जो 12 बजे तक शुरू नहीं हो पाई। पार्टी नेताओं के अनुसार कुछ और विधायकों के साथ-साथ राज्यसभा सांसद के सी वेणुगोपाल के आने का इंतजार किया जा रहा है। उसके बाद ही बैठक शुरू होगी। इस बीच पार्टी के अनेक नेताओं ने दावा किया कि राज्य की अशोक गहलोत सरकार को कोई खतरा नहीं है। परिवहन मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने संवाददाताओं से कहा कि कांग्रेस सरकार के पास जादुई आंकड़ा मौजूद है और राज्य की गहलोत सरकार कहीं नहीं जाएगी। पार्टी नेताओं के अनुसार विधायक दल की बैठक में भाग लेने के लिए कांग्रेस के साथ साथ बीटीपी के दो, माकपा के एक, राष्ट्रीय लोकदल के एक विधायक सहित अनेक निर्दलीय विधायक पहुंचे हैं। इस बीच कांग्रेस के प्रदेश कार्यालय के बाहर लगे प्रदेशाध्यक्ष सचिन पायलट के पोस्टर हटा दिए। इन पोस्टरों को हटाकर कार्यालय परिसर में रखा गया है।

पुलवामा में दर्दनाक हादसका, छत से गिरकर लड़के की मौत

श्रीनगर। दक्षिण कश्मीर के पुलवामा में सोमवार को एक दर्दनाक हादसा पेश आया। द्रबगाम गांव में एक लड़के की दत से गिरकर मौत हो गई। मृतक की पहचान बासिल रियाज पुत्र रियाज अहमद तेली के तौर पर हुई है। जानकारी के अनुसार छत से गिरने के बाद उसे फौरन अस्पताल ले जाया गया पर उसकी मौत हो गई थी।

देश के सबसे रईस मंदिर पर रहेगा शाही परिवार का अधिकार, सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया फैसला

नेशनल डेस्क। उच्चतम न्यायालय ने तिरुवनंतपुरम के ऐतिहासिक श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर के प्रबंधन संबंधी विवाद पर सोमवार को सुनवाई की। कोर्ट ने मंदिर के प्रशासन में त्रावणकोर शाही परिवार के अधिकार को बरकरार रखा। इसे देश के सबसे धनी मंदिरों में गिना जाता है। कथित वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों के मद्देनजर ऐतिहासिक मंदिर के प्रशासन और प्रबंधन को लेकर विवाद पिछले नौ साल से शीर्ष अदालत में लंबित है। इस भव्य मंदिर का पुनर्निर्माण 18वीं सदी में इसके मौजूदा स्वरूप में त्रावणकोर शाही परिवार ने कराया था, जिन्होंने 1947 में भारतीय संघ में विलय से पहले दक्षिणी केरल और उससे लगे तमिलनाडु के कुछ भागों पर शासन किया था। स्वतंत्रता के बाद भी मंदिर का संचालन पूर्ववर्ती राजपरिवार द्वारा नियंत्रित ट्रस्ट करता रहा जिसके कुलदेवता भगवान पद्मनाभ (विष्णु) हैं। न्यायमूर्ति यू यू ललित और न्यायमूर्ति इंदु मल्होत्रा की पीठ ने पिछले साल 10 अप्रैल को मामले में केरल उच्च न्यायालय के 31 जनवरी, 2011 के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रखा था। उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को मंदिर, उसकी संपत्तियों का प्रबंधन संभालने तथा परिपाटियों के अनुरूप मंदिर का संचालन करने के लिए एक निकाय या ट्रस्ट बनाने के लिहाज से कदम उठाने का निर्देश दिया था। शीर्ष अदालत ने दो मई, 2011 को मंदिर के प्रबंधन और संपत्तियों पर नियंत्रण से संबंधित उच्च न्यायालय के निर्देश पर रोक लगा दी थी। न्यायालय ने यह निर्देश भी दिया था कि मंदिर के खजाने में मूल्यवान वस्तुओं, आभूषणों का भी विस्तृत विवरण तैयार किया जाएगा। शीर्ष अदालत ने आठ जुलाई, 2011 को कहा था कि मंदिर के तहखाने-बी के खुलने की प्रक्रिया पर अगले आदेश तक रोक रहेगी। जुलाई 2017 में न्यायालय ने कहा था कि वह इन दावों का अध्ययन करेगा कि मंदिर के एक तहखाने में रहस्यमयी ऊर्जा वाला अपार खजाना है।

अमरनाथ यात्रा को हरी झंडी, सुप्रीम कोर्ट बोला- हम नहीं लगा सकते इस पर रोक

नेशनल डेस्क। उच्चतम न्यायालय ने कोरोना महामारी के कारण इस साल वार्षिक अमरनाथ यात्रा पर रोक लगाने संबंधी याचिका की सुनवाई से सोमवार को इनकार कर दिया। न्यायालय ने कहा कि हम जिला प्रशासन के काम में दखल नहीं दे सकते। न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति इंदु मल्होत्रा और न्यायमूर्ति के. एम. जोसेफ की खंडपीठ ने अमरनाथ लंगर ऑर्गेनाइजेशन एवं अन्य की याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी कि यात्रा का आयोजन और उसके दौरान स्वास्थ्य के लिए बरती जाने वाली सावधानियों पर फैसला लेना सरकार का काम है ऐसा करते वक्त सभी दिशानिर्देशों का पालन हो। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि जम्मू कश्मीर अब केंद्र शासित प्रदेश बन चुका है, जहां कोरोना को लेकर केंद्र सरकार के दिशानिर्देश लागू होते हैं, इसलिए इस मामले में उसका दखल देना उचित नहीं होगा। ऑर्गेनाइजेशन ने वकील अमित पाल के जरिये याचिका दायर करके यात्रा पर प्रतिबंध लगाने के निर्देश देने की मांग की थी। याचिकाकर्ता का कहना था कि अमरनाथ यात्रा में प्रतिवर्ष कम से कम 10 लाख लोग शामिल होते हैं और इनके बीच इस बार कोरोना संक्रमण का खतरा अधिक बना रहेगा। ऐसी स्थिति में यात्रा पर रोक लगाने का निर्देश दिया जाना चाहिए। याचिकाकर्ता ने बाबा अमरनाथ के दर्शन इंटरनेट और टीवी पर लाइव दिखाने की मांग की थी।

जम्मू-कश्मीर में जाट समुदाय को ओबीसी का दर्जा दे सरकारः मंजीत

साम्बा (एजेंसी)।

जम्मू-कश्मीर जाट सभा के अध्यक्ष मंजीत सिंह ने उपराज्यपाल गिरीश चंदर मुर्मू से अपील की है कि वे जाट समुदाय के सदस्यों को जम्मू-कश्मीर लोक सेवा आयोग और जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय में प्रतिनिधित्व दें। उन्होंने कहा कि सरकार को जाट समुदाय के उत्थान के लिए यह कदम उठाने चाहिए क्योंकि इस समुदाय को जम्मू-कश्मीर में 70 साल से अधिक समय से यह अधिकार कभी नहीं दिया गया, चाहे वह जम्मू-कश्मीर पीएससी हो या जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय, न तो आयोग में हमारे कोई सदस्य हैं और न ही जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट में कोई न्यायाधीश है। उन्होंने कहा कि सरकार को जाट समुदाय के सशक्तिकरण और उत्थान के लिए पहल करनी चाहिए। मंजीत ने कहा कि पिछली सरकारों ने जाट समुदाय की अनदेखी की और जिन राजनीतिक दलों ने जाटों की उपेक्षा की और उनकी मांगों को पूरा करने में विफल रहे, उन्हें भी इसका खामियाजा भुगतना पड़ा। उन्होंने कहा कि 1947, 1965 और 1971 में पाकिस्तान के साथ हुए तीनों युद्धों में जाट समुदाय को विस्थापित होना पड़ा है, इसके अलावा सीमा पार से होने वाली गोलाबारी के दौरान भी समुदाय को विस्थापित होना पड़ा। उन्होंने कहा कि इस पिछड़े समुदाय को बेहतरी के लिए सरकार से समर्थन चाहिए, क्योंकि सीमा पर रहने वाले समुदाय के युवा गोलीबारी व तनाव के कारण अपनी पढ़ाई पूरी करने में विफल रहते हैं। गोलीबारी व तनाव के कारण अपनी पढ़ाई पूरी करने में विफल रहते हैं। लंबे समय से लंबित मांग का उल्लेख करते हुए मंजीत सिंह ने कहा कि सरकार को जम्मू-कश्मीर में जाटों को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) का दर्जा देना चाहिए।

असमः काजीरंगा नेशनल पार्क में दिखा देश का इकलौता गोल्डन टाइगर

नेशनल डेस्क। असम के काजीरंगा नेशनल पार्क में देश का पहला और इकलौता गोल्डन टाइगर देखा गया है। सोशल मीडिया पर इशकी फोटो काफी शेयर की जी रही है। इस गोल्डन टाइगर की फोटो एक फोटोग्राफर ने वाइल्डलाइफ फोटोग्राफी के दौरान ली। लोग इसे टैबी और स्ट्रॉबेरी टाइगर के नाम से बुला रहे हैं। इस टाइगर का रंग सोने जैसा है और इसके शरीर पर लाल और भूरे रंग की पट्टियां हैं। अपने यूनिक रंग की वजह से ही यह काफी चर्चा में है। ऑफिसर परवीन कासवां ने अपने ट्विटर हैंडल पर इस दुर्लभ टाइगर की खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं। इस फोटो के साथ उन्होंने फोटोग्राफर मयुरेश हेंद्रे को बधाई दी क्योंकि मयुरेश ने ही इस टाइगर की तस्वीर लेकर सोशल मीडिया पर वायरल की थी। परवीन कासवां ने ट्वीट किया कि सकता है जींस में आए बदलाव की वजह से इसका रंग ऐसा हो लेकिन ये बेहतरीन है और दुर्लभ भी है।

जम्मू-कश्मीर में आतंक के खिलाफ ऑपरेशन जारी, सुरक्षा बलों ने घेरे 3 आंतकवादी

नेशनल डेस्क। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच सोमवार सुबह मुठभेड़ शुरू हो गई है। सुरक्षाबलों ने दो से तीन आतंकियों को घेर लिया है, दोनों ओर से फायरिंग जारी है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने अनंतनाग जिले के श्रीगुफ्वारा इलाके में तड़के घेराबंदी कर तलाश अभियान शुरू किया था। वहां छुपे आतंकवादियों ने सुबह करीब छह बजकर 40 मिनट पर सुरक्षा बलों पर गोलीबारी कर दी। इसका बलों ने भी मुंहतोड़ जवाब दिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि किसी के हताहत होने की अभी कोई खबर नहीं है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि किसी के हताहत होने की अभी कोई खबर नहीं है। इससे एक दिन पहले एनकाउंटर में लश्कर-ए-तैयबा का आतंकी उस्मान भी मारा गया है। ये वही आतंकी था जिसने कुछ दिनों पहले सोपोर में एक आतंकी हमले को अंजाम दिया था और इस हमले में एक सीआरपीएफ जवान और एक स्थानीय नागरिक की मौत हो गई थी।

युपी में कोरोना विस्फोट पर प्रियंका ने कसा सरकार पर तंज- मर्ज बढ़ता गया ज्यों ज्यों दवा की

लखनऊ(एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश सरकार के सप्ताह में दो दिन के लाकडाउन के फैसले का अबूझ पहेली करार देते हुये कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोमवार को तंज कसा कि सरकार अपनी असफलता छिपाने के लिये खेल कर रही है।

श्रीमती वाड्रा ने सोमवार को उत्तर प्रदेश में कोरोना संक्रमण के एक ग्राफ के साथ ट्वीट किया '' पिछले तीन दिन में कोरोना के करीब पांच हजार मामले सामने आये है जिसमें दस जुलाई को 1347,11 जुलाई को 1403 और 12 जुलाई को 1388 मामले शामिल हैं। सरकार के सप्ताहांत में दो दिन के लाकडाउन के फैसले पर उन्होने कहा '' लॉकडाउन के वीकेंड 'बेबी पैक का लॉजिक अब तक किसी को समझ नहीं आया। अपनी असफलता छुपाने के लिए खिलवाड़ जारी है। उन्होने तंज कसते हुये एक शायरी का हवाला दिया और कहा '' 'मर्ज़ बढ़ता गया ज्यों ज्यों दवा की। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में कोरोना के पहले पांच हजार मामले सामने आने में करीब 75 दिन का समय लगा था जबकि संक्रमण की रफ्तार दिन गुजरने के साथ बढती जा रही है।

हालांकि यह भी सच है कि इस दौरान कोरोना टेस्टिंग की रफ्तार कई गुना बढी है। मार्च में बामुश्किल एक हजार टेस्ट प्रति दिन हो रहे थे जबकि इन दिनो हर रोज 25 हजार से ज्यादा कोरोना टेस्ट किये जा रहे है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने टेस्टिंग का आंकड़ा 50 हजार प्रतिदिन किये जाने के निर्देश दिये हैं।

आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर ग्रेनेड फेंके, कुछ ही घंटे के अंदर गिरफ्तार

श्रीनगर (एजेंसी)।

जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में रविवार को दो आतंकवादियों द्वारा सुरक्षा कर्मियों पर दो ग्रेनेड फेंके जाने के कुछ घंटे बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि हालांकि ग्रेनेड फटे नहीं। उन्होंने कहा, शाम करीब चार बजकर दस मिनट पर आतंकवादियों ने एक राष्ट्रीय राजमार्ग पर सैल चरसू के समीप तैनात सुरक्षा बलों पर दो ग्रेनेड फेंके।

प्रवक्ता ने बताया कि बम निष्क्रिय दस्ते को बुलाया गया और दस्ता बड़ी सावधान से ग्रेनेड ले गया। पुलिस के अनुसार मामला दर्ज किया और जांच शुरू की गयी। जांच के दौरान सामने आया कि मोटरसाइकिल से आये दो व्यक्तियों ने ग्रेनेड फेंके थे और वे बड़ी तेजी से भाग रहे थे। प्रवक्ता के अनुसार इलाके को घेर लिया गया और सेल गांव में तलाशी के दौरान दुर्घटनास्थल से महज 100 मीटर दूर संदिग्ध सफेद बाइक मिली। और तलाश करने पर दोनों आतंकवादी गिरफ्तार किये गये। उनके नाम क्रमशः उमर और जाहिद युसूफ पाला हैं और वे शोपियां के अलूरा क्षेत्र के बाशिंदे हैं। दोनों से पूछताछ चल रही है।

कोरोना वैक्सीन के लिए इस भारतीय ने दांव पर लगाई अपनी जिंदगी

लंदन(एजेंसी)।

दुनिया भर में महामारी बनकर फैल चुके कोरोना वायरस की वैक्से सीन का लोगों को बेसब्री से इंतजार है। दुनिया भर के लोग जल्दी से जल्दी इसकी वैकसीन तैयार होने के इंतजार में है लेकिन एक भारतीय ऐसा भी है जिसने इस वैक्से सीन के लिए अपनी जान की बाजी लगा दी है। लंदन में रह रहे भारत के राजस्थान राज्य के जयपुर में जन्मे दीपक पालीवाल (42) उन चंद लोगों में से एक हैं जिन्होंने कोरोना वैक्से सीन ट्रायल में बतौर वॉलेंटियर हिस्सा लिया। दीपक ने बताया, मैं बार-बार सोच रहा था कि कोरोना से जंग में मैं कैसे मदद कर सकता हूं। एक दिन बैठे-बैठे यूं ही ख्याल आया क्यों न दिमाग की जगह शरीर से ही मदद करूं। मेरे दोस्त ने मुझे बताया था कि ऑक्सफोर्ड में ट्रायल चल रहे हैं, उसके लिए वॉलेंटियर की जरूरत है। बस, मैंने इस ट्रायल के लिए अप्लाई कर दिया। हयूमन ट्रायल से पहले दीपक को भी इन खतरों के बारे में बताया गया था। दीपक ने कहा, मुझे बताया गया कि इस वैक्सीन में 85 फीसदी कंपाउड मेनिंनजाइटिस वैक्सीन से मिलता जुलता है। डॉक्टरों ने बताया कि मैं कोलैप्स भी कर सकता हूं, आर्गन फेलियर का खतरा भी रहता है, जान भी जा सकती है। लेकिन इस प्रक्रिया में डॉक्टर और कई नर्स भी वॉलेंटियर थे, जिन्होंने मेरा हौसला बढ़ाया। दीपक ने बताया कि जिस दिन उसे वैक्सीन का पहला शॉट लेने जाना था, उसके व्हॉटसेप पर मैसेज आया कि ट्रायल के दौरान एक वॉलेंटियर की मौत हो गई लेकिन तब भी वह अपने फैसले पर अड़ा रहा।

कोरोना महामारी के कारण करीब 1 करोड़ बच्चे छोड़ सकते हैं स्कुल

लंदन(एजेंसी)।

वैश्विक महामारी कोरोना वायरस का कहर दिनोंदिन तेजी से पांव पसारते जा रहा है और दुनियाभर में इससे संक्रमित होने वाले लोगों की संख्या 1.28 करोड़ के पार पहुंच गई है जबकि मृतकों की संख्या पांच लाख 68 हजार से ऊपर हो गई है। वहीं कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी के कारण बढ़ती गरीबी और बजट में कटौती की वजह से इस वर्ष के अंत तक विश्व में करीब 97 लाख बच्चों को हमेशा के लिए स्कूल छोडना पड़ सकता है। इंग्लैंड के लंदन स्थित धर्मार्थ संगठन सेव द चिल्ड्रेन ने सोमवार को अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। सेव द चिल्ड्रेन ने अपनी वेबसाइट पर प्रकाशित रिर्पोट में कहा है कि विश्व के 12 देशों में कोरोना महामारी के कारण लगाये गये लॉकडाउन के समाप्त होने के बाद बड़ी संख्या में बच्चों के वापस स्कूल नहीं जाने की बहुत अधिक आशंका है। इन 12 देशों में मुख्य रूप से पश्चिम और मध्य अफ्रीका के देश, यमन और अफगानिस्तान शामिल हैं। विश्व के अन्य 28 देशों में भी इसी तरह की आशंका है। इस रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान समय में कोरोना वायरस को रोकने के मद्देनजर लगाए गए लॉकडाउन के कारण वैश्विक स्तर पर 1.6 अरब बच्चों को स्कूल छोडना पड़ा है। कोविड-19 के मामले में अमेरिका दुनिया भर में पहले, ब्राजील दूसरे और भारत तीसरे स्थान पर बरकारार है। वहीं इस महामारी से हुई मौतों के आंकड़ों के मामले में अमेरिका पहले, ब्राजील दूसरे और ब्रिटेन तीसरे स्थान पर है जबकि भारत का मृतकों की संख्या के मामले में आठवें स्थान पर है। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी किये गये आंकड़ों के अनुसार विश्व भर में कोरोना संक्रमितों की संख्या 1,28,77,551 हो गयी है जबकि 5,68,528 लोगों ने जान गंवाई है। विश्व महाशक्ति माने जाने वाले अमेरिका में कोरोना से अब तक 3,304,142 लोग संक्रमित हो चुके हैं तथा 1,35,190 लोगों की मौत हो चुकी है। ब्राजील में अब तक 1,864,681 लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं जबकि 72,100 लोगों की मौत हो चुकी है। भारत में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण के 28,699 नये मामले सामने आये हैं और अब कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 878,254 हो गई है। इसी अवधि में कोरोना वायरस से 500 लोगों की मृत्यु होने से मृतकों की संख्या बढ़कर 23,174 हो गई है। देश में इस समय कोरोना के 301,609 सक्रिय मामले हैं और अब तक 553,471 लोग इस महामारी से निजात पा चुके हैं। रूस कोविड-19 के मामलों में चौथे नंबर पर है और यहां इसके संक्रमण से अब तक 726,036 लोग प्रभावित हुए हैं तथा 11,318 लोगों ने जान गंवाई है। पेरु में लगातार हालात खराब होते जा रहे है वह इस सूची में पांचवें नम्बर पर पहुंच गया है। यहां संक्रमितों की संख्या 326,326 हो गई तथा 12,829 लोगों की मौत हो चुकी है। संक्रमण के मामले में चिली विश्व में छठे स्थान पर आ गया हैं। यहां अब तक कोरोना वायरस से 3,15,041 लोग संक्रमित हुए हैं।

श्रीकृष्ण मंदिर को लेकर पाक ने फिर उगला जहर, गाने में हिंदुओं को दी धमकी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में बनने जा रहे हिंदू मंदिर के खिलाफ फतवे के बाद अब घृणा को प्रदर्शित करने वाला एक गाना भी लॉन्च हो गया है। माहौल ऐसा बन गया है जैसे एक हिंदू मंदिर से उनका मुल्क ही खतरे में आ जाएगा। इस गाने का वीडियो पाकिस्तान में खूब वायरल हो रहा है, जिसमें इस्लामाबाद के श्रीकृष्ण मंदिर विवाद को लेकर भारतीयों को कुत्ता कहा गया है और 'औकात में रहने' की सलाह दी गई है। पंजाबी भाषा के इस गाने में गायक गाता है 'हिंदुस्तानी कुत्तों, तुस्सीं रहो जरा औकात विच्च...'। इसके बाद सोशल मीडिया पर इसका विरोध शुरू हो गया है। इस गाने में पाकिस्तानी फौज का दृश्य दिखा कर महिमामंडन किया गया है और साथ ही धमकी दी गई है कि पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में कभी मंदिर नहीं बनने दिया जाएगा। गाने के वीडियो में पाकिस्तानी फौज के सिपाही बंदूक से निशाना साधते और हैलीकॉप्टरों से उतर कर पोजीशन लेते दिख रहे हैं। जिस तरह से वीडियो में भारत और हिंदुओं के प्रति जहर बोया गया है, उसकी जमकर आलोचना हो रही है। इस्लामी कट्टरवादी अब एक गाने के सहारे हिंदुओं को नीचा दिखा रहे हैं। सिंध के मानवाधिकार कार्यकर्त्ता कपिल देव ने इस गाने के वीडियो को ट्विटर पर शेयर करते हुए लिखा कि 'इस्लामाबाद के निर्माणाधीन श्रीकृष्ण मंदिर विवाद ने एक बार फिर से हिंदुओं के प्रति घृणा को सामने ला दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि वीडियो में पाकिस्तानी फौज को दिखा कर उन्हें बदनाम किया जा रहा है, जिस पर कार्रवाई होनी चाहिए। गौरतलब है कि पिछले दिनों इस संबंध में इस्लामी शिक्षा देने वाले संस्थान जामिया अशर्फिया के मुफ्ती जियाउद्दीन ने कहा था कि गैर-मुस्लिमों के लिए मंदिर या अन्य धार्मिक स्थल बनाने के लिए सरकारी धन खर्च नहीं किया जा सकता। इसी संस्था ने मंदिर निर्माण को लेकर फतवा जारी करते हुए कहा था कि अल्पसंख्यकों (हिंदुओं) के लिए ।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

खत्म नहीं हुआ गहलोत सरकार पर संकट सीएम सहित सभी विधायक होटल पहुंचे

सचिन कर रहे 25 विधायकों के साथ होने का वादा

जयपुर **क्रांति समय सुरत** (एजेसी)। राजस्थान में कांग्रेस की गहलोत सरकार का संकट टलता दिखाई दे रहा है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मीडिया के सामने विधायकों की परेड करा दी है। गहलोत गुट ने 100 से ज्यादा विधायकों का समर्थन दिखाकर सरकार बचाने का दावा कर दिया है। दूसरी तरफ सचिन पायलट भी अपने पास दो दर्जन से ज्यादा विधायक होने की बात कर रहे हैं। इसके बाद माना जा रहा है कि फिलहाल गहलोत सरकार का संकट टल जरूर गया है, लेकिन शायद खत्म नहीं हुआ है। हालांकि, बैठक में पालयट समेत कम से कम 19 विधायक नदारद रहे जो बताता है कि संकट अभी खत्म नहीं हुआ। इस बीच, बैठक के बाद तीन बसों में विधायकों को होटल में ले जाया गया है। बैठक के बाद निकले विधायक विक्ट्री साइन दिखाते हुए रवाना हुए हैं।

ये चर्चा इसलिए है क्योंकि राजस्थान विधानसभा में कुल सदस्यों की संख्या 200 है। सरक.ार चलाने के लिए 101 विधायकों की जरूरत होती है। कांग्रेस के 107 और बीजेपी के 72 विधायक हैं। जबकि बाकी अन्य दलों के साथ निर्दलीय विधायक हैं। सचिन ने दावा किया है कि उनके पास 25 विधायक हैं। जबकि गहलोत गुट के समर्थक विधायकों की सूची में 102 विधायकों के नाम फिलहाल हैं। यानी एकदम किनारे पर गहलोत सरकार है।

सचिन के प्रति कांग्रेस के नरम रुख की भी यहीं वजह माना जा रही है। पायलट की बगावत के बावजूद कांग्रेस ने जयपुर में विधायकों के शक्ति प्रदर्शन से पहले मीडिया के जरिए सचिन पायलट को वापस लौटने का न्यौता दिया।कांग्रेस मीडिया प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा है कि जो मतभेद हैं वहां अलग चीज हैं, लेकिन राजस्थान की भलाई के लिए वापस आ जाएं। उन्होंने कह दिया कि सचिन पायलट के लिए दरवाजे खुले हैं,वहां आएं उनकी हर समस्या पर बात की जाएगी।

दूसरी तरफ सोमवार सुबह अशोक गहलोत के सीएम आवास पर विधायक जुटाए जा रहे थे। उसी वक्त जयपुर स्थित कांग्रेस कार्यालय से सचिन पायलट के पोस्टर हटा दिए गए थे। लेकिन विधायकों के शक्ति प्रदर्शन के बाद ही पोस्टर वापस लगा दिए गए। अब खबर आ रही है कि सचिन समझौता करने के मूड में हैं, इसके लिए वहां अपने समर्थक विधायकों के लिए गृह विभाग जैसे महत्वूर्ण पोर्टफोलियो की डिमांड कर रहे हैं।

इसके बाद पिक्चर अभी बाकी नजर आ रही है। संख्या के लिहाज से गहलोत सरकार किनारे पर है।

अगर सचिन पायलट की शर्तें मानी जाती हैं,तब निश्चित ही कांग्रेस सरकार अच्छी स्थिति में आ जाएगी। अगर ऐसा नहीं होता है,तब सचिन पायलट की नाराजगी आज नहीं कल गहलोत सरकार के लिए बड़ी चुनौती बन सकती है।

सचिन के बगावती तेवरों के बीच कांग्रेस विधायक दल की बैठक में शामिल हुए 106 विधायक

जयपुर **क्रांति समय सुरत** (एजेसी)। राजस्थान में जारी राजनीतिक उठा पटक के बीच कांग्रेस विधायक दल की बैठक सोमवार को मुख्यमंत्री निवास में आयोजित की गई। बैठक में कांग्रेस के साथ साथ उसके सहयोगी दलों के विधायक भी शामिल हुए। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट की बगावत से पैदा हुए संकट के बीच बैठक सुबह साढे दस बजे शुरू होनी थी, लेकिन दोपहर डेढ़ बजे शुरू हो सकी।

बैठक शुरू होने से पहले मीडिया को वहां मौजूद विधायकों व नेताओं की फोटो लेने की अनुमति दी गई। वहां मौजूद विध ायकों की संख्या के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सीधा कोई जवाब नहीं दिया। पार्टी के एक नेता ने दावा किया कि बैठक में कुल 106 विधायक मौजूद हैं, जबकि दो विधायक रास्ते में हैं।

बैठक में कांग्रेस के साथ–साथ बीटीपी के दो, माकपा के एक, आरएलडी के एक विधायक तथा कांग्रेस का समर्थन कर रहे निद.ीय विधायक मौजूद हैं। इसके साथ ही दिल्ली से आए कांग्रेस के महासचिव के सी वेणुगोपाल, पार्टी के प्रदेश प्रभारी अनिवाश पांडे व राष्ट्रीय प्रवक्ता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने भी बैठक में हिस्सा लिया।

राजस्थान में सचिन पायलट की तस्वीर वाले बैनरों– पोस्टरों को पहले फाड़ा गया फिर वापस लगाया गया

जयपुर **क्रांति समय सुरत** (एजेसी)। राजस्थान में बगावती तेवर अपनाने वाले राज्य के उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट की तस्वीर वाले बैनरों और पोस्टरों को पहले फाड़ा गया, फिर वापस लगाया गया। पायलट के बगावती अंदाज के चलते इन पोस्टर–बैनर को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने फाड़ दिया था। हालांकि, विश्वस्तों के लिए प्रमुख विभागों की मांग की थी। इन विधायकों को भाजपा या पायलट की ओर से किसी संभावित टूट से बचाने के लिए एक रिसोर्ट में रखा गया है। पायलट और उनके कुछ विश्वस्त विध ायक गहलोत की इस अहम बैठक में मौजूद नहीं थे। कांग्रेस सूत्रों ने पायलट के 30 विधायकों का

जयपुर में राजस्थान कांग्रेस के कार्यालय में सचिन पायलट की नेम प्लेट को 'नहीं छुआ' गया है।

राजस्थान में पायलट ने 30 विधायकों के समर्थन का दावा करते हुए अपने लिए सीएम पद और अपने समर्थन होने के दावे पर भी पलटवार करते हुए कहा कि उनके पास 16 से अधिक विधायक नहीं हैं। 200 सदस्यीय राजस्थान विधानसभा में बहुमत के लिए 101 के 'आंकड़े' की जरूरत है।

प्रो. जेपी यादव को सौंपा आरयू का कार्यभार

जयपुर **क्रांति समय सुरत** (एजेसी)। राजस्थान विश्वविद्यालय को फिर से स्थाई कुलपति नहीं मिला है। राज्य सरकार और राजभवन ने राज ऋषि भर्तहरि मत्स्य विश्वविद्यालय के विश्वविद्यालय कुलपति का पद प्रो.आर.के. कोठारी के कार्यकाल समाप्त होने के बाद खाली हो गया था।

पद खाली होने के एक दिन पहले ही उच्च शिक्षा विभाग ने फाइल सरकार से राजभवन नहीं पहुंची। इसकी के चलते स्थाई कुलपति का चयन नहीं हो सका। प्रदेश में सात विश्वविद्यालयों को स्थाई कुलपति का पद खाली पड़ा है।

कुलपति प्रो. जेपी यादव को आरयू कुलपति का अतिरिक्त चार्ज सौंपा दिया। प्रो. जे.पी. यादव को राजस्थान विश्वविद्यालय कुलपति का कार्यभार पदभार ग्रहण कर लिया है। प्रो. यादव अभी रा. जस्थान विश्वविद्यालय में कॉमर्स फैकल्टी के प्रोफेसर है, जिन्हें इसी साल राज ऋषि भर्तहरि मत्स्य विश्वविद्यालय का कुलपति बनाया गया था और उनकी सेवानिवृति भी आरयू से इसी माह होगी।

गौरतलब है कि राजस्थान प्रो. जेपी यादव को राजस्थान विश्वविद्यालय कुलपति पद का अतिरिक्त चार्ज सौंपने जाने की अनुशंसा की थी। राजभवन फाइल नहीं पहुंचने से अटक गई नियुक्ति राजस्थान विश्वविद्यालय के कुल. पति प्रो. आर. कोठारी का पद खाली होने से पहले 9 जुलाई को की कुलपति सलेक्शन कमेटी ने नामों की स्क्रूटनी कर, कुछ नाम बंद लिफाफे में भिजवा दिए थे।

सूत्रों की माने तो इसके बाद सरकार से कुलपति के नाम की राजस्थान विश्वविद्यालय, महाराजा गंगा सिंह बीकानेर, सरदार पटेल पुलिस यूनिवर्सिटी जोधपुर, मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय उदयपुर, शेखावटी यूनिवर्सिटी सीकर, स्किल यूनिवर्सिटी में स्थाई कुलपति के पद खाली है।

वहीं, गोविन्द गुरु जनजाती विश्वविद्यालय बांसवाड़ा के में 18 जुलाई को कुलपति का पद खाली हो जाएगा।

राजस्थान में कोविड–19 के कुल मामले बढ़कर 24,487 हुए, 514 लोगों की गई जान

जयपुर **क्रांति समय सुरत** (एजेसी)। राजस्थान में कोरोना संक्रमण से चार लोगों की जान भरतपुर में एक–एक और संक्रमित की जान चली गई।

अधिकारी ने बताया कि केवल जयपुर में ही कोरोना संक्रमण से मरने वालों की संख्या 174 है।जबकि जोधपुर में 65, भरतपुर में 42, कोटा में 27,अजमेर में 24, बीकानेर में 21, नागौर में 18 व पाली में 15, और धौलपुर में 11 संक्रमितों की मौत हो चुकी है। अन्य राज्यों के 31 रोगियों की भी यहां मौत हुई है। उन्होंने बताया कि सोमवार सुबह साढ़े दस बजे तक राज्य में संक्रमण के 95 नए मामले सामने आये। इनमें जयपुर में 39, अलवर में 19, राजसमंद में नौ, कोटा व दौसा में आठ–आठ नए मामले शामिल हैं। राज्यभर में कोरोना संक्रमण से निपटने के लिए कई थाना क्षेत्रों में कर्फ्यू लगा हुआ है।

जाने के बाद मरने वालों की संख्या सोमवार को 514 हो गई है। साथ ही राज्य में कोविड–19 के 95 नए मामले सामने आने से संक्रमण के मामले बढ़कर 24,487 हो गए, जिनमें से 5,735 लोगों का इलाज जारी है। अधिकारी ने बताया कि सोमवार को जयपुर, अलवर व

सार–समाचार

जागरूकता रैली को पुलिस निरीक्षक ने दिखाई हरी झड़ी

जयपुर (एजेसी)। पुलिस कमिश्नर आनंद श्रीवास्तव एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त राहुल प्रकाश के निर्देश एवं पुलिस उपायुक्त यातायात आदर्श सिधु के सुपरविजन में जयपुर कमिश्नरेट क्षेत्र के पुलिसथाना क्षेत्रों एवं यातायात पुलिस द्वारा एमवी एक्ट के नये प्रावधानों के अनुसार भारी जुर्माना राशी की जानकारी आमजन को देने के लिये वाहन रैली एवम् जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

जागरूकता अभियान की श्रृंखला में यातायात पुलिस व थाना पुलिस द्वारा भरसक प्रयास किए जा रहे है। पुलिस निरीक्षक विजय सिंह व श्रीपाल सिंह ने चोमू तिराहे से वाहन रैली को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना वाहन रैली में 10 मोटरसाइकिलों पर सवार पुलिस कर्मी, यातायात पुलिस के वाहन, प्रियदर्शनी वाहन शामिल थे। रैली में शामिल पुलिस कर्मियों ने श्लोगन लिखी पट्टिकाओं के माध्यम से जागरूकता का संदेश दिया। शहर के चौराहे तिराहे पर कला जत्था के कलाकारों ने नुक्कड़ नाटक माध्यम से यातायात के नियमों का पालन करने का संदेश दिया। चोमू तिराहे से मुरलीपुरा चौराहा रोड नं 1 से रोड नं 14 पर रैली का समापन हुआ शहर के मुख्य मार्गो पर भी वाहन चालकों को जानकारी देकर यातायात के नियमों का पालन करने के लिए समझाइश की गई। पुलिस के चेतक वाहन में पदस्थापित पुलिस कर्मियों द्वारा भी वाहन चालकों को समझाइश की गई।

नेहरू बाल साहित्य अकादमी के गठन को मिली स्वीकृती

जयपुर (एजेसी)। राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा बजट घोषणा वर्ष 2019–2020 में कला, साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग में पंडित जवाहर लाल नेहरू बाल साहित्य अकादमी के गठन को स्वीकृति प्रदान कर दी है।

मुख्य सचिव राजीव स्वरूप ने बताया कि कला, साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग द्वारा प्रदेश में बाल–साहित्य संबंधी गतिविधियों को प्रोत्साहित करने और बाल–साहित्य रचनाकारों के सहयोग के लिए पंडित जवाहर लाल नेहरू बाल साहित्य अकादमी का गठन करने की मुख्यमंत्री ने बजट वर्ष 2019–2020 में घोषणा की थी।

महामारी अध्यादेश के उल्लंघन पर 70 लाख का जुर्माना वसूला

जयपुर (एजेसी)। राजधानी जयपुर में लॉकडाउन 5.0 के दौरान राजस्थान महामारी अध्यादेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ अब तक 52 हजार 946 मामलो में कार्यवाही की गई तथा 70 लाख 40 हजार एक सौ रूपये का जुर्माना वसूल किया गया है। पुलिस के अनुसार सार्वजनिक स्थान एवं कार्यस्थल पर फेस मास्क नहीं पहनने पर अब तक 13 हजार 290 व्यक्तियों के विरूद्ध कार्यवाही की गई वहीं इनसे 26 लाख 58 हजार रूपये का जुर्माना वसूला गया। दुकानदार द्व ारा बिना मास्क सामने बेचने वालो के विरूद्ध अब तक 1454 कार्यवाई कर 727000 रूपये का जुर्मान वसूला गया इसी प्रकार सार्वजनिक स्थान पर लगे द्वारा थूकने पर अब तक 70 व्यक्तियों के विरूद्ध कार्यवाही की गई है इनसे 14 हजार रूपये का जुर्माना वसूला गया वहीं सार्वजनिक स्थान पर लोगों द्वारा शराब के सेवन करने पर अब तक 34 व्यक्तियों के विरूद्ध कार्यवाही कर 17000 रूपये का जुर्माना वसूला गया। शहर में पान, गुटखा, तम्बाकू बेचते हुए पाये जाने पर अब तक 17 व्यक्तियों के विरूद्ध कार्यवाही कर 16000 रूपये का जुर्मान वसूला गया।

सूने मकान से जेवर, नकदी चोरी

जयपुर (एजेसी)। श्याम नगर थाना इलाके में शातिर चोर एक सूने मकान में सेंध लगाकर लाखों रूपए के आभूषण सहित नकदी चुरा ले गए। पलिस मुकदमा दर्ज कर घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने में लगी हुई है। पुलिस के अनुसार वर्धमान नगर बी निवासी विवेक यादव ने मामला दर्ज करवाया कि परिवार सहित बाहर गए हुए थे वहीं वापस आए तो पता चला कि घर में चोरी हुई है चोर लाखों रूपए के सोने चांदी के आभूषण सहित 90 हजार की नकदी चुरा ले गए पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

दवा खरीद गड़बड़ी की जांच के लिए कमेटी गठित

जयपुर (एजेसी)। रजिस्ट्रार सहकारिता, मुक्तानन्द अग्रवाल ने बताया कि हनुमानगढ़ सहकारी उपभोक्ता हॉलसेल भण्डार लिमिटेड द्व ारा दवाओं की खरीद एवं पेशनर्स को एनओसी जारी करने में 7.36 करोड़ की हानि की जांच के लिए 2 सदस्य कमेटी गठित की गई है।

उन्होंने बताया कि यह जांच दल तीन वर्षो में दवाओं के क्रय एवं पेंशनर्स को उपलब्ध करवाकर पुनर्भरण प्राप्त करने में भण्डार द्वारा की गई अनियमितताओं की जांच करेगी। अग्रवाल ने बताया कि 2 सदस्य जांच कमेटी 7 दिवस की अवधि में जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। जांच दल में अतिरिक्त रजिस्ट्रार (सीनियर स्केल) विद्याधर गोदारा एवं सहायक रजिस्ट्रार शिरीष बी. चांदे को नियुक्त किया गया है। जांच दल को आदेश दिए गए है कि आवश्यकता होने पर उप रजिस्ट्रार कार्यालय हनुमानगढ़ में पदस्थापित निरीक्षकों की सहायता ली जाए।

डीलर को देना होगा कॉमर्शियल वाहनों का टैक्स

जयपुर (एजेसी)। कॉमर्शियल वाहनों की टैक्स चोरी को रोकने के लिए परिवहन विभाग ने नियमों में बदलाव किया है अब निजी वाहनों की तर्ज पर कॉमर्शियल वाहनों को भी डीलर के यहां एक बारीय टैक्स जमा कराना होगा। तभी रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पूरी की जायेगी हाल ही बीएस 4 वाहनों के रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया के दौश्रान सामने आया था कि कई कॉमर्शियल वाहन टैम्परेरी रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट (टीआरसी) लेकर ही सडक पर वाहनों का संचालन कर रहे थे। सालों से टैक्स जमा नहीं कराया था इससे विभागों को भी राजस्व नुकसान हुआ।

गहलोत के करीबी नेता अरोड़ा, धर्मेन्द्र राठौड़ के घर इनकम टैक्स की कार्यवाही

जयपुर (एजेसी)। राजस्थान में सियासी संकट के बीच आयकर विभाग की दिल्ली से आई टीम ने आज गहलोत के सबसे करीबी माने जाने वाले राजीव अरोड़ा, धर्मेन्द्र राठौड़ के घर इनकम टैक्स की कार्यवाही शुरू की। कांग्रेसी नेताओं के ठिकानो पर छापा मारा गया टीम ने कांग्रेस नेताओं के करीब 22 ठिकानो पर छापामार कार्यवाही की। इनकम टैक्स विभाग के अनुसार टैक्स चोरी के मामले में शिकायत को देखते हुए छापे मारे गए पर सियासी हलको में खबर यह भी है कि राजस्थान में गहलोत सरकार पर जो संकट चल रहा है उससे संबंधि ात कार्यवाही की गई है। जैसा की गहलोत सरकार में परिवहन मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने भी केन्द्र सरकार द्वारा ईडी, सीबीआई, का ऐसे मौके पर उपयोग करने की बात कहीं है।

प्रदेश में खोली जायेगी कामधेनु डेयरी

जयपुर (एजेसी)। कोविड–19 के दौर में राजगार की समस्या चैन छीन रही है ऐसे में पशुपालन विभाग बेरोजगारों को आत्मनिर्भर बनने का अवसर दे रहा है। कामधेनु योजना के तहत डेयरी स्थापित करने के लिए पशुपालक, किसान व महिलाओं व युवाओं सरकार की ऋण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनायेगा। प्रदेश में कोटा समेत अन्य स्थानों पर डेयरियां खोली जायेगी योजना के तहत आवेदन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधि ाकारी मनोज भारती के अनुसार कोटा में योजना के लिए करीब एक दर्जन आवेदन आ चुके है निदेशक गोपालन विभाग के आदेशो के अनुसार हाडौती के चारों जिलो के साथ साथ हनुमानगढ, जैसलमेर, बाडमेर, श्रीगंगानगर, उदयपुर अलवर, सवाईमाधोपुर, भरतपुर, जयपुर में कामध ेनु डेयरियां स्थापित करने की योजना है। चंपालाल मीणा संयुक्त निदेशक पशुपालन विभाग कोटा का कहना है कि आत्मनिर्भर बनाने के लिए इस योजना के तहत डेयरियां खोली जा रही है इसके लिए नियमानुसार आवेदक का चयन किया जायेगा।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वकील ने प्रेमिका के साथ बिताए निजी पलों का वीडियो वायरल वैवाहिक जीवन किया बर्बाद

जामनगर **क्रांति समय सुरत** (एजेसी)

ध्रोल के एक वकील ने अपनी प्रेमिका के साथ बिताए निजी पलों के वीडियो वायरल कर उसका वैवाहिक जीवन बर्बाद कर दिया। पीड़ित विवाहिता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने वकील के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

जानकारी के मुताबिक जामनगर के हेमंत घेलजी उर्फ घेला नामक वकील का दो साल पहले एक युवती से संपर्क हुआ था।

युवती किसी काम से तहसीलदार कचहरी गई थी, जहां उसकी हेमंत घेलजी से संपर्क हुआ।

इस मुलाकात के दौरान दोनों अपने मोबाइल नंबर का आदान प्रदान किया। दोनों के बीच बातचीत होने लगी और एक–दूसरे से प्यार करने लगे।

जिसके बाद दोनों के बीच शारीरिक संबंध भी कायम हुए।

करीब सवा साल के प्रेम संबंधों के बाद अचानक युवती ने दूसरी जगह शादी कर लीद्य युवती की शादी होने के बावजूद वकील उसके साथ संबंध बरकरार रखने के मकसद से उसने युवती के साथ मिलने का प्रयास किया।

लेकिन सफल नहीं होने पर वकील ने युवती के साथ बिताए निजी पलों के अश्लील फोटो और वीडियो कॉल रिकार्ड उसके भाई और बहनोई को भेज दिए।

लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर वकील किसी एप्लीकेशन के जरिए गंदे और धमकीभरे मैसेज भेजने फोन कर परेशान करने लगा।

इसके बावजूद युवती की कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर वकील ने उसे जान से मार देने की धमकी दी।

इससे भी बात नहीं बनी तो वकील ने युवती के ससुराल पक्ष के लोगोंको वीडिया और अश्लील तस्वीरें भेजकर उसका वैवा. हिक जीवन बर्बाद कर दिया।

अंततः युवती ने वकील हेमंत घेलजी के खिलाफ ध्रोल पुलिस थाने में रपट दर्ज करवा दी।

जिसके आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है।

मुख्यमंत्री 3 आदर्श निवासी कन्या शाला और 5 कुमार छात्रालय का ई–लोकार्पण करेंगे

अहमदाबाद **क्रांति समय सुरत** (एजेसी) मुख्यमंत्री विजय रूपाणी सोमवार को राज्य के अनुसूचित और विकसति जाति के विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ रहने–खाने की सुविधा सरकार की ओर से निःशुल्क मुहैया कराने वाले 3 आदर्श निवासी कन्या शाला तथा 5 डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर कुमार छात्रालय का ई–लोकार्पण गांधीनगर से करेंगे।

राज्य के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा 61.75 करोड़ रुपए की लागत से इन नये भवनों का निर्माण किया गया है।

इसके अंतर्गत अनुसूचित जाति की लड़कियों के लिए वडा. `दरा जिले में एक तथा आणंद के बाकरोल में एक सहित कुल दो आदर्श निवासी कन्या शाला तथा नवसारी के जलालपोर में विकसति जातिओं की बेटियों की पढ़ाई और आवास सुविधा के लिए एक आदर्श निवासी कन्या शाला का मुख्यमंत्री उद्घाटन करेंगे।

राज्य के अनुसूचित जाति और विकसित जाति के विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास के साथ कोई भी बच्चा पढ़ाई से वंचित न रहे यह सुनिश्चित करने के लिए सरकारी छात्रालय तथा आदर्श निवासी शाला की योजना सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के जरिए शुरू की गई है।

रूपाणी इस योजना के अंत. र्गत जिन पांच डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर कुमार छात्रालय का लोकार्पण सोमवार को करेंगे उसमें अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए गांधीनगर और आणंद के बाकरोल में एक पीजी हॉस्टल सहित जबकि भावनगर के महुवा में विकसति जाति के छात्रों के लिए एक छात्रालय का समावेश होता है।

इन नवनिर्मित संकुलों में 1200 विद्यार्थियों को रहने–खाने और अभ्यास की सुविधा मिलेगी। राज्य में वर्तमान में 61 आदर्श निवासी शाला और 143 सरकारी छात्रालयों में अनुसूचित जाति के 7002 और विकसति जाति के 7771 सहित कुल 14773 छात्रों को सरकार निःशुल्क आवास, अभ्यास और भोजन सुविधा प्रदान करती है। इतना ही नहीं,

अनुसूचित जाति, जनजाति, विकसति जाति तथा आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग के विद्यार्थी एक ही छत के नीचे रहकर अभ्यास कर सकें इस उद्देश्य से बनाए गए 18 समरस छात्रालयों में 12500 विद्यार्थियों को लाभ मिल रहा है।

कोरोना दौर में अहमदाबाद विवि में बने रहने के लिए छात्रों को दिए स्नातक विकल्प

स्नातकों के लिए सर्टिफिकेट और स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम और माइनर्स कोर्स तैयार

अहमदाबाद **क्रांति समय सुरत** (एजेसी)। कोरोना से जूझते गुजरात में अहमदाबाद विश्वविद्यालय ने अपने छात्रों के लिए एक नए तरह के सपोर्ट की घोषणा की, ताकि 2020 का स्नातक बैच विश्वविद्यालय में ही बना रह सके।

विश्वविद्यालय ने सोमवार को बताया कि उसने अपने स्नातकों के लिए सर्टिफिकेट और स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम और माइनर्स कोर्स तैयार किया है ताकि वे बाहर उचित अवसर मिलने तक वे विश्वविद्यालय में बने रहें। मिली जानकारी के मुताबिक जो छात्र इस वर्ष ग्रेजुएट होने थे वे अपने स्नातक स्तर की पढ़ाई को किसी बाद की तारीख तक स्थगित कर सकते हैं और इस वर्ष विश्वविद्यालय में अधिक पाठ्यक्रम ले सकते हैं,

या इस साल ग्रेजुएट हो सकते हैं या 30–क्रेडिट डिप्लोमा या 15–क्रेडिट सर्टिफिकेट प्रोग्राम पूरा कर सकते हैं। अहमदाबाद विश्वविद्यालय ने कहा कि ये सर्टिफिकेट और स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम अन्य विश्वविद्यालयों के छात्रों के लिए भी खुले हैं।

अहमदाबाद विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर पंकज चंद्रा ने एक बयान में कहा, ष्हमने अपने छात्रों के लिए इन अवसरों का निर्माण किया है जो आगे की पढ़ाई या नौकरी करने में देरी जैसी स्थिति का सामना कर सकते हैं।

हमें लगता है कि इस कठिन मोड़ पर हमारे छात्रों की परवाह करना हमारी जिम्मेदारी है।

नया प्रस्ताव बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (बीबीए) या बैचलर ऑफ कॉमर्स के छत्रों को विश्वविद्यालय में अतिरिक्त वर्ष रहने और मानद उपाधि प्राप्त करने का अवसर देता है।

यह किसी भी यूनिवर्सिटी के छात्र को ग्रेजुएशन को टालकर समर टर्म, मानसून सेमेस्टर और विंटर सेमेस्टर सहित अतिरिक्त सेमेस्टर के लिए विश्वविद्यालय में पाठ्यक्रम जारी रखने की अनुमति देता है।

चंद्रा ने कहा, ष्अगर उन्होंने तीन साल का स्नातक कार्यक्रम पूरा कर लिया है, तो एक अतिरिक्त दो सेमेस्टर डिप्लोमा उन्हें विश्वविद्यालय में एक चौथा वर्ष प्रदान करता है,

जो उन्हें अगले साल विदेश में स्नातक कार्यक्रमों के लिए आवेदन करने के लिए योग्य बनाता है।

अहमदाबाद विश्वविद्यालय ने अन्य विश्वविद्यालयों के छात्रों के लिए भी कई प्रोग्राम का विकल्प रखा हैं।

पश्चिम रेलवे ने कोरोना महामारी के कारण टिकटों के निरस्तीकरण के तहत 392 करोड़ का रिफंड किया

अहमदाबाद **क्रांति समय सुरत** (एजेसी) कोरोना वायरस महामारी के कारण, भारत सहित पूरी दुनिया के सभी देश बहुत मुश्किल दौर से गुज़र रहे हैं। इस घातक वायरस के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए 22 मार्च 2020 से सभी यात्री ट्रेनों का परिचालन बंद कर दिया गया।

और भारत सरकार द्वारा राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन की घोषणा की गई। बाद में प्रवासी मज़दूरों और उनके परिवारों को उनके गृहनगर तक पहुँचाने के लिए श्रमिक स्पेशल ट्रेनों का परिचालन शुरू किया गया। इसी क्रम में यात्रियों की सुविधा के लिए,

भारतीय रेलवे ने 12 मई, 2020 से 15 जोड़ी राजधानी टाइप विशेष ट्रेनों के साथ चरणबद्ध तरीके से यात्री सेवाओं को बहाल करने का निर्णय लिया और 1 जून, 2020 से 100 जोड़ी विशेष रेलगाड़ियाँ चलाई गईं। अन्य सभी नियमित ट्रेनों को रद्द कर दिया गया।

नियमित ट्रेनों के लिए आई. आरसीटीसी वेबसाइट के माध्यम से बुक किये गये ट्रेन टिकटों को ऑनलाइन निरस्त कर तदनुसार रिफंड अदा कर दिया गया,

जबकि पीआरएस काउंटरों के माध्यम से अपने टिकट बुक कराने वाले यात्रियों के लिए रिफंड अदायगी हेतु कुछ प्रमुख स्टेशनों पर 27 मई, 2020 से चुनिंदा काउंटर शुरू किये गये।

उल्लेखनीय है कि यात्री अपनी यात्रा की तारीख से 180 दिनों के भीतर रिफंड का लाभ उठा सकते हैं। यात्रियों को बिना किसी निरस्तीकरण शुल्क के टिकट राशि की पूर्ण वापसी दी जा रही है। साथ ही रिफंड के लिए 180 दिन की विशेष छूट दी जा रही है, ताकि यात्री रद्द की गई ट्रेनों के टिकटों के रिफंड के लिए जल्दबाज़ी न करें और वर्तमान परिदृश्य पर विचार करते हुए

सामाजिक दूरी के मानदंडों और स्वास्थ्य प्रोटोकॉल का बखूबी पालन करते हुए भीड़भाड़ और संक्रमण से बचे रहें।

पश्चिम रेलवे द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, कोरोना वायरस के कारण पश्चिम रेलवे पर कमाई का कुल घाटा 1689.30 करोड़ रुपये रहा है,

जिसमें उपनगरीय खंड के लिए 247.61 करोड़ रुपये और गैर–उपनगरीय के लिए लगभग 1441.69 करोड़ रुपये का नुक़सान शामिल है। इस नुक़सान के बावजूद यात्रियों को पूर्ण रिफंड वापसी दी जा रही है, जिससे उनकी कठिनाइयों को कम किया जा सके।

1 मार्च, 2020 से 11 जुलाई, 2020 तक टिकटों के निरस्तीकरण के कारण, पश्चिम रेलवे ने 391. 65 करोड़ रु. की रिफंड राशि की अदायगी सुनिश्चित की है।

गौरतलब है कि इस रिफंड राशि में, अकेले मुंबई डिवीजन ने 186.70 करोड़ रुपये से अधिक का रिफंड सुनिश्चित किया है। अब तक, 60.14 लाख यात्रियों ने पूरी पश्चिम रेलवे पर अपने टिकट रद्द कर दिये हैं और तदनुसार उनकी रिफंड राशि प्राप्त की है।

मास्क नहीं पहनने वालों की अब खैर नहीं देना होगा 500 रुपए जुर्माना

अहमदाबाद **क्रांति समय सुरत** (एजेसी) शहर समेत राज्यभर में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए प्रशासन एक के बाद एक कदम उठा रहा है और अहमदाबाद महानगर पालिका ने महत्वपूर्ण फैसला किया हैद्य अब यदि मास्क पहने बगैर कोई बाहर निकला या कहीं भी थूंका को 500 रुपए का जुर्माना भरना पड़ेगा राजीव गुप्ता की अध्यक्षता में हुई बैठक में फैसला किया गया है कि मास्क पहने बगैर बाहर निकलने वाले व्यक्ति से रु. 500 जुर्माना वस. ला जाएगाद्य पान–मसाले खाकर कहीं पीचकारी मारने वालों पर भी रु. 500 का जुर्माना किया जाएगा। इससे पहले रु. 200 जुर्माना लिया जाता था, जिसमें 300 रुपए की वृद्धि की गई है।

इसके अलावा पान–मसाले की दुकान के आसपास थूंकने पर दुकानदार पर रु. 10000 का जुर्माना लगेगा बता दें कि कोरोना के संक्रमण को रोकने के लिए मास्क का इस्तेमाल अनिवार्य है। लेकिन कई लोग मास्क नहीं पहन रहे।

कई राज्य सरकारों ने ऐसा नहीं करने वालों पर जुर्माना लगाना शुरू किया। जिसमें छत्तीसगढ़ में 100 रुपए, तो उत्तर प्रदेश में 500 रुपए का जुर्माना है।

दिल्ली में पहली बार बिना मास्क के पकड़े गए, तो 500 रुपए देने होंगे। फिर से यही गलती की, तो 1000 रुपए का जुर्माना देना होगा। हरियाणा में भी मास्क नहीं पहनने और सार्वजनिक स्थल पर थूकने पर 500 रुपए के जुर्माने का प्रावधान है।

गुजरात के विख्यात स्तंभकार और पद्मश्री नगीनदास संघवी का निधन

अहमदाबाद **क्रांति समय सुरत** (एजेसी)

गुजरात के विख्यात स्तंभकार, समीक्षक, विवेचक और पत्रकार पद्मश्री नगीनदास संघवी का 101 वर्ष की आयु में निधन हो गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ट्वीट कर संघवी के निधन पर दुःख व्यक्त किया है। पीएम मोदी ने ट्वीट कर लिखा ''नगीनदास संघवी प्रबुद्ध लेखक–विचारक थे। उनके लेख और पुस्तकों में इतिहास और तत्त्वज्ञान की समझ और राजनीतिक घटनाओं के पृथक्करण करने की असाधारण शक्ति का परिचय मिलता है।

उनके निधन से काफी दुःख हुआ। शोक संतप्त परिवार और उनके विशाल पाठकों को सांत्वना.. ओम शांतिद्य'' मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने पद्मश्री नगीनदास संघव के निधन पर दुःख व्यक्त करते हुए उन्हें एक सच्चा और प्रखर विवेचक और समक्षीक बतायाद्य संघवी ने समाज जीवन और देश दुनिया की सांप्रत समस्याओं और स्थिति का नीर क्षीर विवेक के साथ ही निरूपण करने की उनकी सहज लेखनी ने लाखों पाठकों के दिल में अमिट छवि प्रस्थापित की है। उनके निधन से गुजरात के साहित्यिक और पत्रकारिता जगत को अपूर्णीय क्षति हुई है बता दें कि पद्मश्री नगीनदास संघवी का कल निधन हो गया था

Get Instant Car Insurance

Call 9879141480

Car insurance is a concept through which you can safeguard your money in case of damage to your car.

Get Instant Health Insurance

Call 9879141480

Financial coverage for medical expenses, in case of a medical emergency.

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)